डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

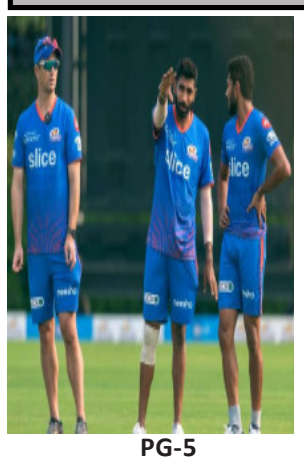

PG-5

PG-8

सिनेमाः कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी को लेकर उड़ीं अफवाहें

वर्ष -08 अंक -40 | प्रयागराज, शुक्रवार 15 अप्रैल, 2022 | पृष्ठ-08 | मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ में इस्लामी झंडे के विरोध में फहराया भगवा, तनावपूर्ण स्थिति बनी

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ में बस्तर जिले के जगदलपुर में महावीर चौराहे पर बुधवार को तनावपूर्ण स्थिति बन गई। चौराहे पर मुस्लिम समुदाय ने इस्लामी झंडा लगा रखा है। बुधवार को हिंदू संगठन के लोग जुटे और जय श्रीराम का उद्घोष करते उस झंडे के आगे भगवा ध्वज फहरा दिया। इससे तनाव की स्थिति बनी पर पुलिस ने मामले को संभाल लिया। लंबे समय से इस चौराहे का नाम महावीर चौक होने का दावा किया जाता रहा है। यह स्थान जामा मस्जिद के पास है मुस्लिम समुदाय इस चौराहे को जामा मस्जिद चौराहा कहता रहा है। समय के साथ इस चौराहे पर मुस्लिम समुदाय ने यहां इस्लामी झंडा भी लगा दिया है। रामनवमी पर सर्व हिंदू समाज ने महावीर चौराहे को भी सजाने का प्रयास किया था। हालांकि, सांप्रदायिक सौहार्द्र बनाए रखने के लिए प्रशासन ने इस पर रोक लगा दी थी।

पाकिस्तान में बंदी सैनिकों को वापस लाने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई के लिए हुआ तैयार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बुधवार को एक सैन्य अधिकारी की पत्नी की उस याचिका पर सुनवाई के लिए तैयार हो गया जिसमें 1971 के युद्ध के बाद पाकिस्तान द्वारा युद्धबंदियों (पीओडब्लूए) के रूप में अवैध रूप से हिरासत में रखे गए उनके पति और अन्य सैन्य अधिकारियों को वापस लाने की मांग की गई है। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ और जस्टिस सूर्यकांत की पीठ ने मेजर कंवलजीत सिंह की पत्नी जसबीर कौर की याचिका पर केंद्र को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है। मेजर सिंह को युद्धबंदियों में शामिल माना जाता है। याचिका में केंद्र को उचित न्यायिक उपायों के साथ पाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। याचिका के मुताबिक पाकिस्तान की यातनापूर्ण हिरासत में मौजूद भारतीय युद्धबंदियों की रिहाई के लिए 'युद्धबंदियों के लिए जिनेवा संधि' के तहत ये न्यायिक उपाय अनिवार्य और बाध्यकारी प्रकृति के हैं।

पीएम मोदी सुबह 11 बजे करेंगे उद्घाटन, देश के सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान की मिलेगी जानकारी

नई दिल्ली। पीएम नरेन्द्र मोदी गुरुवार सुबह प्रधानमंत्री संग्रहालय का उद्घाटन करेंगे। को एक ट्वीट कर इस कार्यक्रम के बारे में बताया है। मोदी ने कहा, 'प्रधानमंत्री संग्रहालय महोत्सव मना रहा है। मैं सभी से संग्रहालय का दौरा करने का आग्रह करूंगा।' पीएमओ ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए भारत के सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान का सम्मान करने के लिए पीएम मोदी की दृष्टि से निर्देशित ये संग्रहालय स्वतंत्रता के बाद से भारत के प्रत्येक प्रधानमंत्री को एक श्रद्धांजलि है। इसके अलावा संग्रहालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक समावेशी प्रयास है, जिसका उद्देश्य युवा पीढ़ी को सभी भारतीय प्रधानमंत्रियों के नेतृत्व, दूरदर्शिता और उपलब्धियों के बारे में संवेदनशील और प्रेरित करना है। बता दें कि प्रधानमंत्री संग्रहालय को तीन मूर्ति भवन में बनाया गया है। इसे नेहरू म्यूजियम के नाम से जाना जाता था। हालांकि, इसे अब प्रधानमंत्री संग्रहालय के तौर पर जाना जाएगा। इसका निर्माण 15,600 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में हुआ है।

इस संग्रहालय के जरिए देश की आजादी के बाद बने प्रधानमंत्रियों के योगदान के बारे में बताया जाएगा। पीएम मोदी ने बुधवार हमारे सभी प्रधानमंत्रियों के योगदान को प्रदर्शित करेगा। यह कार्यक्रम तब हो रहा है जब भारत आजादी का अमृत

मौसम में आज आएगा बदलाव, इन राज्यों में धूलभरी आंधी के साथ हल्की बारिश की संभावना

नई दिल्ली। उत्तर भारत में गर्मी की तपिश बरकरार है। यूपी, दिल्ली समेत विभिन्न राज्यों में पारा काफी अधिक है और जल्द कोई बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। मौसम विभाग के अनुसार, राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आज मौसम बदल जाएगा। वहीं, कर्नाटक, जम्मू- अंदेशा जताया जा रहा है। इसके साथ ही लू चलने की चेतावनी जारी की गई है। गुरुवार को पंजाब और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में छिटपुट बारिश व गरज के साथ बौछार भी पड़ सकती है। इससे गर्मी से राहत मिल सकती है। दिल्ली एनसीआर में आंशिक तौर पर छाए रहेंगे लक्षद्वीप, जम्मू कश्मीर, गिलगित बाल्टिस्तान, मुजफ्फराबाद, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। पंजाब और हरियाणा के उत्तरी हिस्सों में अलग-अलग जगहों पर हल्की बारिश संभव है। स्काईमेट वेदर के मुताबिक हरियाणा और उत्तर पश्चिमी राजस्थान के कुछ हिस्सों में आंधी या हल्की धूल भरी आंधी आ सकती है।हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और दिल्ली और एनसीआर में के कुछ हिस्सों में धूल भरी हवाएं चल रही हैं। पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के पश्चिमी हिस्सों के अलग-अलग हिस्सों में हीट वेव की स्थिति संभव है। मौसम विभाग के वरिष्ठ विज्ञानी आरके जेनामणि ने कहा कि उत्तर-पश्चिम भारत में गर्मी के प्रकोप का प्रमुख चरण खत्म हो रहा है और बादलों की मौजूदगी बढ़ने की वजह से तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की कमी आने की संभावना है। उन्होंने बताया कि राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में गर्मी का प्रकोप गुरुवार से कम होगा।

कश्मीर आदि में हल्की बारिश के आसार हैं। उत्तर भारत के कई राज्यों में हो रही बारिश के चलते उत्तर प्रदेश में भी तापमान में दो से 3 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की जा रही थी। इसकी वजह से लू से भी राहत मिल रही थी, दिन भर छाए बादलों की वजह से मौसम कुछ सुहाना था। दो दिन बाद यानी 15 तारीख से तापमान बढ़ने का बादल। 20 से 30 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से चलेगी हवा। स्काईमेट वेदर के मुताबिक आज सिक्किम, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, केरल और तमिलनाडु में हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है। शेष पूर्वोत्तर भारत, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, दक्षिण कर्नाटक,

पीएम मोदी सुबह 11 बजे करेंगे भविष्य की रणनीति के लिए 'चिंतन शिविर' से पहले सीडब्ल्यूसी की बैठक बुलाएगी कांग्रेस

नई दिल्ली। देश की सबसे पुरानी पार्टी की भविष्य की रणनीति को चाक-चौबंद करने के लिए 'चिंतन शिविर' से पहले कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्लूसी) की बैठक बुलाने के लिए पूरी तरह तैयार है। हालांकि पिछली सीडब्लूसी बैठक सोनी, जयराम रमेश, मुकुल वासनिक और पार्टी महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल चिंतन शिविर की तैयारियों पर विचार विमर्श किया। पार्टी के एक शीर्ष सूत्र के अनुसार, दो-तीन दिनों के भीतर 'चिंतन शिविर' के अंतिम

में, पार्टी द्वारा पांच राज्यों में हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में पार्टी के खराब प्रदर्शन के बाद हार की समीक्षा कर सुधार के लिए रणनीति तैयार करने के लिए 'चिंतन शिविर' बुलाने का निणर्य लिया गया था पार्टी अब केवल दो राज्यों राजस्थान और छत्तीसगढ़ में सत्ता में है और महाराष्ट्र और झारखंड में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि पार्टी 'चिंतन शिविर' के मुद्दों और तारीखों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है। चिंतन शिविर की तैयारी को लेकर पहले भी कई बैठकें हो चुकी हैं। कांग्रेस वार रूम में मंगलवार को हुई बैठक में वरिष्ठ नेता अंबिका प्रस्ताव जैसे एजेंडा, तारीख और स्थल पर काम किया जाएगा और सीडब्लूसी द्वारा अंतिम मंजूरी दी जाएगी। सूत्र ने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी गंभीरता से विचार कर रही है कि यह स्थल गुजरात या हिमाचल प्रदेश जैसे चुनावी राज्यों में होना चाहिए जहां साल के अंत में चुनाव होने हैं। बता दें कि इससे पहले पार्टी ने पांच राज्यों में चुनाव में हार के बाद 13 मार्च को सीडब्लूसी की बैठक बुलाई थी, जिसमें यह निणर्य लिया गया था कि हार का आकलन करने और भविष्य के रोड मैप को तैयार करने के लिए एक 'चिंतन शिविर' आयोजित किया जाएगा।

नई शिक्षा नीति के अमल में लानी होगी तेजी, नहीं चलेगा ढुलमुल रवैया, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने राज्यों से मांगा ब्योरा

नई दिल्ली। शिक्षा के क्षेत्र में बड़े सुधारों के मकसद से लाई गई नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लागू किए दो साल पूरे होने वाले है। इससे पहले शिक्षा मंत्रालय ने इसके अमल को लेकर उठाए गए कदमों की समीक्षा शुरू कर दी है। इस दौरान सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों सहित अमल से जुड़ी सभी एजेंसियों से प्रगति रिपोर्ट मांगी गई है। केंद्र ने स्पष्ट कर दिया है कि नीति को लागू करने में तेजी लानी होगी, ढुलमुल रवैया नहीं चलेगा। यह संकेत भी दिए हैं कि नीति को लागू करने में बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों को वित्तीय मदद मुहैया कराने में प्राथमिकता दी जाएगी। जरूरत पड़ने पर इन्हें अतिरिक्त मदद भी मुहैया कराई जाएगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को सरकार ने जुलाई 2020 को मंजूरी दी थी। एनईपी के अमल में तेजी से जुटे शिक्षा मंत्रालय का इस दौरान सबसे ज्यादा फोकस राज्यों पर ही है, क्योंकि शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय है। जिसमें केंद्र और राज्यों को मिलकर काम करना होता है। इस बीच जो स्थिति है उनमें ज्यादातर राज्यों में नीति के अमल को लेकर तेजी से काम चल रहा है, लेकिन बंगाल और तमिलनाडु जैसे कुछेक ऐसे राज्य भी हैं, जो इसका विरोध कर रहे हैं। बंगाल ने तो हाल ही में खुद की शिक्षा नीति बनाने के संकेत दिए है। साथ ही इसे लेकर एक उच्चस्तरीय कमेटी भी गठित की है। मंत्रालय ने हालांकि अब तक बंगाल के इस कदम पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है लेकिन संकेत दिए हैं कि एनईपी के अमल में ढुलमुल रवैया अपनाने वाले राज्यों को वित्तीय मदद मिलने में दिक्कत हो सकती है। वैसे भी मंत्रालय ने शिक्षा से जुड़ी अपनी सभी योजनाओं में एनईपी के मुताबिक बदलाव किए हैं। ऐसे में राज्यों को तभी वित्तीय मदद मिलेगी, जब वह उस दिशा में आगे कोई कदम बढ़ाएंगे। मंत्रालय ने नीति के अमल के लिए जो लक्ष्य तय किए है, उसकी भी पड़ताल शुरू की है। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक इस

समीक्षा में स्कूली और उच्च शिक्षा दोनों से ही जुड़ी सिफारिशों के अमल को परखा जा रहा है। गौरतलब है कि शिक्षा में बदलाव से जुड़ी इस नीति को वर्ष 2030 तक लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि शुरुआत के दो सालों में सरकार ने शिक्षा के क्षेत्र में बदलाव के कई बड़े कदम उठाए हैं। इनमें स्कूली शिक्षा के ढांचे में बदलाव, उच्च शिक्षा में दाखिले के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा की शुरुआत, दो डिग्री कोर्स को मंजूरी, क्रेडिट बैंक स्कीम आदि शामिल हैं।

देश में फिर से होने वाली है बिजली की कमी कोयले की आपूर्ति घटी तो कई राज्यों में दिखाई देने लगा असर

नई दिल्ली। देश क्या एक बार फिर बड़े बिजली संकट में फंसने जा रहा है। संकेत पर गौर करें तो कुछ ऐसा ही दिखाई देता है। घरेलू कोयला उत्पादन में ज्यादा वृद्धि नहीं हो रही है जबकि बिजली की मांग बढ़ने से कोयला आधारित बिजली संयंत्रों पर ज्यादा उत्पादन का दबाव है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय बाजार में कोयला इतना महंगा हो चुका है कि आयातित कोयले से बिजली बनाने वाले संयंत्रों ने तकरीबन आयात बंद कर दिया है। हालात की जानकारी केंद्रीय बिजली मंत्रालय को भी है। यही वजह है कि मंगलवार को बिजली मंत्री आरके सिंह ने आयातित कोयला आधारित संयंत्रों के साथ-साथ राज्यों की तरफ से आयात किए जाने वाले कोयले की स्थिति समीक्षा की। उन्होंने घरेलू कोयले की दिक्कत को देखते हुए सभी ताप संयंत्रों को 10 प्रतिशत तक आयातित कोयला घरेलू कोयले में मिलाने का सुझाव दिया है, लेकिन जिस तरह से कोयला मंहगा हुआ है उसे देखते हुए इस सुझाव पर अमल होना असंभव दिख रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के मुताबिक एक अप्रैल, 2022 को देश में कोयला आधारित बिजली संयंत्रों के पास बिजली बनाने के लिए 9.4 दिनों का कोयला था। 12 अप्रैल को इनके पास कोयले की आपूर्ति घटकर 8.4 दिनों रह गई है। जबकि नियमानुसार इन संयंत्रों के पास 24 दिनों का स्टाक होना चाहिए। वैसे पिछले वर्ष के अक्टूबर-नवंबर, 2021 के मुकाबले कोयला आपूर्ति की स्थिति अभी अच्छी है लेकिन जिस तरह के संकेत बन रहे है वो चिंताजनक है। गुजरात, महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड, हरियाणा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश जैसे राज्यों से आधिकारिक तौर पर की जाने वाली बिजली कटौती बढ़ने की खबरें आने लगी हैं। एक वजह यह है कि भयंकर गर्मी से बिजली की मांग बढ़ने लगी है और दूसरी वजह यह है कि आयातित कोयले पर आधारित निजी क्षेत्री की बिजली कंपनियों के संयंत्रों से उत्पादन का स्तर लगातार घट रहा है।

मानवाधिकार को लेकर सवालों पर विदेश मंत्री जयशंकर का करारा जवाब, कहा- भारत भी अमेरिका में मानवाधिकारों के हनन से चिंतित

वाशिंगटन। मानवाधिकारों को लेकर सवाल उठाने पर भारत ने अमेरिका को करारा जवाब दिया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को कहा कि अमेरिका समेत अन्य देशों के मानवाधिकारों के हालात पर भारत भी नजर रखता है। इसलिए भारत भी इस देश में मानवाधिकार के मुद्दे उठाता है, जब वे खासकर भारतीय समुदाय से संबंधित होते हैं और वास्तव में कल (मंगलवार) हमारे पास एक मामला (न्यूयार्क में दो सिखों पर हमले का) था। दरअसल, टू प्लस टू वार्ता के बाद सोमवार रात संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि अमेरिका भारत में हो रहे कुछ हालिया चिंताजनक घटनाक्रम पर नजर बनाए है जिनमें कुछ सरकारी, पुलिस और जेल अधिकारियों की मानवाधिकार उल्लंघन की बढ़ती हुई घटनाएं शामिल हैं। अमेरिका यात्रा की समाप्ति पर पत्रकारों से बातचीत में जयशंकर ने एक सवाल के जवाब में कहा कि टू प्लस टू बैठक में दोनों देशों के बीच मानवाधिकार के मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं हुई। यह बैठक मुख्य रूप से राजनीतिक और सैन्य मामलों पर केंद्रित थी। लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि अतीत में इस पर चर्चा हुई थी। उन्होंने कहा, 'यह विषय तब सामने आया था, जब विदेश मंत्री ब्लिंकन भारत आए थे। मुझे लगता है कि अगर आप उसके हितों के बारे में, लाबियों के बारे में और वोट बैंक के बारे में अपना दृष्टिकोण रखने का हक है। इसलिए जब भी चर्चा होगी, मैं कह सकता हूं कि हम बोलने से पीछे कानून है और जो कुछ भी करना है, वह (बाइडन) प्रशासन द्वारा किया जाना है। चीन को लेकर अमेरिकी रुख पर पूछे गए एक सवाल पर विदेश मंत्री ने कहा, 'आप की मजबूती और सहजता है, जिन पर दोनों पक्ष सहमत नहीं भी हैं। उन्होंने इस धारणा का जोरदार खंडन किया कि यूक्रेन की स्थिति भारत-अमेरिका संबंधों को नुकसान पहुंचाने वाली है। विदेश मंत्री ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह भारत-अमेरिका संबंधों के लिए तनावपूर्ण होगा। देखिए.. मैं आज यहां हूं.. मैं अपने रुख और दृष्टिकोण के बारे में काफी खुला और स्पष्टवादी रहा हूं।' विदेश मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच हुई वर्चुअल बैठक भारत-अमेरिका टू प्लस टू वार्ता के लिए बेहद मददगार सिद्ध हुई। साथ ही उन्होंने रेखांकित किया कि दोनों देशों के बीच बातचीत के प्रारूप में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जयशंकर और ब्लिंकन ने द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने के लिए दोनों देशों के बीच शैक्षिक संबंधों को गहरा करने के महत्व को रेखांकित किया। हावर्ड विश्वविद्यालय में ब्लिंकन ने कहा कि दुनिया के सबसे पुराने और सबसे बड़े लोकतंत्रों के रूप में अमेरिका और भारत को हमेशा एक-दूसरे से कुछ सीखने को मिलता है।

बाद की प्रेस वार्ता को याद करे तो मैं इस तथ्य को लेकर बेहद मुखर था कि हमने इस मुद्दे पर चर्चा की और मुझे जो कहना था, वह कहा।' जयशंकर ने आगे कहा, 'लोगों को हमारे बारे में दृष्टिकोण रखने का अधिकार है। लेकिन हमें भी समान रूप से उनके दृष्टिकोण के बारे में, नहीं हटेंगे।' काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सेंक्शंस एक्ट (काटसा) के तहत प्रतिबंधों के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में जयशंकर ने कहा कि इस बारे में फैसला अमेरिका को करना है। यह अनिवार्य रूप से उन्हें ही सुलझाना है। मेरा मतलब है, यह उनका मुझसे पूछ रहे हैं कि क्या अमेरिकी यूक्रेन संकट के बीच रूस पर अपने-अपने रुख को लेकर भारत और चीन के बीच भेदभाव और अंतर करता है, जाहिर है कि वे करते हैं।' जयशंकर ने कहा कि भारत और अमेरिका के संबंधों में आज उन सभी मुद्दों पर चर्चा करने

संदिग्ध अवस्था में फांसी पर लटका मिला अज्ञात शव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। कोतवाली फूलपुर चौकी अंतर्गत बौडाई कटौता गांव में लाला के तालाब के किनारे झाडियों में बबूल के पेड़ के सहारे फांसी पर लटका हुआ 35 वर्षीय अज्ञात का शव देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने आसपास तमाम पता लगाया परंतु शव की शिनाख्त ना हो सकी। कयास लगाया जा रहा है। कि कहीं से अज्ञात शव लाकर फंदे से लटकाया गया है। मृतक के शरीर पर मात्र एक पेंट हरी रंग की है। शरीर पर कहीं कहीं चोट के निशान भी हैं। सूचना पर थाना अध्यक्ष अमित कुमार राय एवं चौकी प्रभारी विनय कुमार मिश्रा मय हमराह पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारकर थाने लाए और आवश्यक लिखा पढ़ी के बाद पीएम हेतु जिला अस्पताल भेजा।

एनएसयूआई के अरबाज खान बने सीएमपी के इकाई अध्यक्ष

(आधुनिक समाचार सेवा)

प्रयागराज। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने की सीएमपी डिग्री कॉलेज की इकाई अध्यक्ष की घोषणा छात्र हितों के लिए सदैव तत्पर एवं संघर्षरत छात्र संगठन एनएसयूआई प्रयागराज की सीएमपी डिग्री कॉलेज इकाई के इकाई अध्यक्ष की घोषणा जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर द्वारा श्री अरबाज़ खान जी को नियुक्त किया जाता हैं संगठन के प्रति इनकी निष्ठा व कार्यकुशलता को देखते हुए शीर्ष नेतृत्व की संतुति पर सीएमपी डिग्री कॉलेज इकाई का इकाई अध्यक्ष घोषित किया गया आशा है की सशक्त इकाई अध्यक्ष के रूप में संगठन की विचारधारा व संगठन को मजबूत करने के साथ साथ छात्र हित में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएंगे साथ ही जिलाध्यक्ष अक्षय यादव क्रांतिवीर ने यह बताया कि संगठन को नए सिरे से बनाने पर जोर है जिसके क्रम में प्रयागराज के समस्त संस्थानों में एनएसयूआई को पहुचाना है जिससे आगामी प्रवेशार्थी छात्रों की भरपुर मदद हो और संगठन और सुदृढ़ हो। अक्षय यादव क्रांतिवीर जिलाध्यक्ष, एनएसयूआई प्रयागराज- उत्तर प्रदेश

कौडिहार ब्लाक प्रमुख के बाद उसके दो अपराधी भाइयों की संपत्ति होगी कुर्क

प्रयागराज। आपरेशन माफिया के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कौडिहार ब्लाक के प्रमुख मो. मुजफ्फर की पांच करोड़ की अचल संपत्ति को कुर्क कर ली है और अब उसके दो अपराधी भाइयों के खिलाफ एक्शन लेने की तैयारी चल रही है। सपा नेता मुजफ्फर पूरामुफ्ती व नवाबगंज थाने का हिस्ट्रीशीटर है और इस वक्त नैनी जेल में बंद है। पुलिस का कहना है कि अभियुक्त ने गोतस्करी के जरिए अपने व अपनी बीवी शाहिबा बेगम के नाम पर बमरौली उपरहार में करोड़ों रुपये की संपत्ति बनाई थी। इसमें मकान, दुकान और भूखंड शामिल है, जिसे अब गैंगस्टर की धारा 14 (1) के तहत कुर्क करने की कार्रवाई की गई ह नवाबगंज में चफरी में नवंबर 2018 में एक डीसीएम प्रतिबंधित मांस पकड़ा गया था, जिसके आधार पर मुजफ्फर व अन्य के विरुद्ध गोवध निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा लिखा गया था। जांच में पता चला था कि वह अपने कुछ साथियों के साथ संगठित गिरोह बनाकर गोतस्करी करता है। उसके खिलाफ प्रयागराज, कौशांबी, फतेहपुर, भदोही, चंदौली और वाराणसी जिले में आपराधिक व गोवध निवारण अधिनियम के 30 मुकदमे दर्ज हैं। आपराधिक इतिहास के कारण पहले उसकी हिस्ट्रीशीट खोली गई और फिर पूरामुफ्ती थाने में मुजफ्फर व उसके 14 साथियों के खिलाफ गैंगस्टर का मुकदमा कायम किया गया था। इसी मुकदमे में उसकी अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को चिंहित कर कुर्क करने के संबंध में जिलाधिकारी को रिपोर्ट भेजी गई थी। वहां से कुर्की का आदेश होने पर बुधवार दोपहर एसएसपी अजय कुमार, एसपी सिटी दिनेश कुमार सिंह, सीओ संतोष सिंह, एडीएम, इंस्पेक्टर अनूप सिंह व थानाध्यक्ष उपेंद्र प्रताप सिंह पुलिस फोर्स, पीएसी के साथ बमरौली उपरहार पहुंचे। फिर चिंहित संपत्तियों को कुर्क करते हुए सरकारी ताला लगाया और नोटिस चस्पा की गई। पुलिस की इस कार्रवाई से ब्लाक प्रमुख व उसके करीबियों में खलबली मच गई। पांच घर होकर परिवार को बेघर होना पड़ा है एसएसपी ने बताया कि कुख्यात गोतस्कर व माफिया मुजफ्फर का सगा भाई मोहम्मद अशरफ और मोहम्मद असलम भी पूरामुफ्ती थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं। उनकी भी अवैध रूप से अर्जित चल, अचल संपत्ति का पता लगाया जा रहा है। जल्द कार्रवाई की जाएगी। साथ ही इसके गैंग से जुड़े अन्य लोगों पर भी कानूनी शिकंजा कसा जाएगा।

वरुण की जीत को लेकर फूलपुर के अधिवक्ताओं ने किया जनसंपर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। जिला अधिवक्ता संघ के चुनाव में मंत्री पद के प्रत्याशी वरुण

कुमार सिंह एडवोकेट के समर्थन में फूलपुर तहसील के अधिवक्ताओं ने जनसंपर्क कर समर्थन मांगा। फूलपुर बार एसोसिएशन के महामंत्री दिलीप कुमार आजाद ने कहा कि वरुण कुमार सिंह अपने 20 वर्षों के वकालत के पेशे में समाज सेवा व गरीबों के हितों की न्याय की लड़ाई लड़ते रहें और भविष्य में भी लड़ते रहेंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व में संयुक्त मंत्री पद पर रहते हुए अधिवक्ताओं के हितों में अनेक कार्य किए जो आज भी उनके कार्यों को अधिवक्ता बंधु याद करते हैं। इस मौके पर बृजेश कुमार गौतम, राजीव कुमार, टिंकू भास्कर, जयकुमार, सत्यनारायण, कृष्ण चंद्र, अतुल कुमार, कुलदीप गौतम, रविंद्र प्रताप, विजय कुमार, अनुज यादव ,एडवोकेट राजेश कुमार गौड़ सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

गौ तस्कर और हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद मुज़्ज़फर के बमरौली की प्रॉपर्टी कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने किया कुर्क

(आधुनिक समाचार सेवा)
विलास गुप्ता

प्रयागराज। कुख्यात गौतस्कर व दुर्दांत माफिया एवं हिस्ट्रीशीटर बदमाश मोहम्मद मुज़फ़्फ़र की काली कमाई से पाए गए हैं। गौतस्करी जैसे जघन्य अपराधों से इसने करोड़ों की काली कमाई, मकान और दूकान खड़ा कर लिया था गैंगस्टर ऐक्ट के तहत मुक़दमा दर्ज कर दफ़ा

संबंधित क़रीब 5,00,00,000 रुपए (क़रीब 05 करोड़ रूपए क़ीमत) के 05 बड़े प्लॉटों, मकानों और दुकानों की हुई कुर्की की कार्यवाही मोहम्मद मुज़फ़्फ़र थाना पूरा मुफ़्ती का हिस्ट्रीशीटर अपराधी है। हिस्ट्रीशीट क्रमांक 15 पर इसके काले कारनामे दर्ज हैं इसके ऊपर पर क़रीब दो दर्जन आपराधिक मामले दर्ज 14 (1) के तहत इसकी काली कमाई से अर्जित प्रमुख 05 प्लॉटों और मकानों को ज़ब्त कर लिया गया है इसकी काली कमाई से अर्जित अन्य संपत्तियों की जाँच और तलाश जारी है। जल्दी ही इसके रैकेट को पूरी तरह से नेस्तनाबूद और ध्वस्त कर दिया जाएगा।

वरासत अभियान चलाकर उत्तराधिकारियों को वितरण किए गए खतौनी मृतक के पश्चात अविलंब दर्ज हो उत्तराधिकारी का नाम मुख्य राजस्व अधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

फूलपुर। बुधवार 13 अप्रैल 2022 को बाबूगंज में आयोजित खतौनी वितरण कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी ने पहुंचकर वरासत अधिकारी प्रयागराज हरिशंकर द्वारा उनके खतौनी प्रमाण पत्र वितरण किए गए। उन्होंने कहा कि यह अभियान चलाने का मुख्य उद्देश्य यह है कि यदि किसी काश्तकार की मृत्यु हो जाती है तो उसकी

अभियान के तहत मृतक काश्तकारों के उत्तराधिकारियों को खतौनी वितरण किया। बुधवार को सुबह से ही फूलपुर तहसील क्षेत्र अंतर्गत बाबूगंज बाजार में चर्चा रही कि जिलाधिकारी प्रयागराज बाबूगंज प्राथमिक विद्यालय में आएंगे लेकिन जिलाधिकारी तो नहीं है जबकि कार्यक्रम में मुख्य राजस्व अधिकारी प्रयागराज ने पहुंचकर चलाए गए अभियान की औपचारिकता को पूरा किया। जहां एक तरफ यदि किसी काश्तकार की मृत्यु हो जाती है तो उसे संपत्ति का मालिकाना हक उसके उत्तराधिकारियों को जाता है जो कि वरासत होता है। इसी क्रम में चलाए जा रहे वरासत अभियान के क्रम में बाबूगंज बाजार स्थित प्राथमिक विद्यालय में बुधवार को वरासत अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें क्षेत्र के काश्तकारों को मुख्य राजस्व संपत्ति का मालिकाना हक उसके उत्तराधिकारियों को अविलंब हो जाना चाहिए जिससे कि वह लोन या अन्य योजनाओं का लाभ ले सकें। इसी को ध्यान में रखकर संबंधित कर्मचारियों को निर्देशित किया गया है कि यदि ऐसा कोई मामला हो तो अविलंब उसका नाम खतौनी में दर्ज किया जाए जिससे वह उस लाभ से वंचित न हो सके। इस कार्यक्रम में चन्दरपुर उर्फ बसमहुआ,बभनकुंइया, शेफखानपुर, खोजापुर, कनौजा कला,मीरापुर,टटिहरा, सहित दर्जनों से अधिक गांवों के काश्तकारों को खतौनी वितरण की गई। इस मौके पर उपजिलाधिकारी फूलपुर अम्बरीश कुमार बिंद, तहसीलदार फूलपुर अजीत कुमार सिंह, लेखपाल अखिलेंद्र प्रताप सिंह, लेखपाल रितेश केसरवानी, लेखपाल विनय सिंह, सहित अन्य क्षेत्रों के लेखपाल व ग्रामीण किसानों की उपस्थिति रही।

एकता सद्भावना का मिशाल है रमजानुल मुबारक - पंधारी यादव

(आधुनिक समाचार सेवा)
सरफराज अहमद

प्रतापपुर। विधानसभा क्षेत्र मियां का पुरा बाजार में छात्र सभा के जिला सचिव अराफात खान के आवास पर रोज़ा इफ्तार पार्टी हुई जिसमें प्रतापपुर की विधायक विजमा यादव, फूलपुर लोकसभा के सपा प्रत्याशी पूर्व जिलाध्यक्ष ,पंधारी यादव, समाजवादी पार्टी जिला उपाध्यक्ष व भावी चेयरमैन प्रत्याशी नगर पंचायत फूलपुर नसीरुद्दीन राईन, प्रमुख रूप से शामिल हुए इस दौरान विजया यादव ने कहा की रमज़ानुल मुबारक का महीना सबसे अफजल महिना होता है एक माह मुस्लिम भाई रोज़ा रखकर देश की अमन तरक्की के लिए दुआ करते हैं पंधारी यादव ने कहा ये हिन्दुस्तान की सांस्कृति है हिन्दू मुस्लिम मिलकर एक साथ इफ्तार करते हैं आपसी भाईचारा सद्भावना देखने को मिलता है जिला उपाध्यक्ष नसीरुद्दीन राईन ने कहा रमज़ानुल मुबारक के महीने में पवित्र पाक कुरान नाजिल हुई इस माह में आसमान के दरवाज़े खोल दिये जाते हैं अल्लाह का वादा है रहमत,बरकत मगफिरत का महीना में नेकी का भाव सत्तर गुना बढ़ा दिया जाता है इस महीने में देश में अमन चैन एकता मानवता सद्भावना देश में बनी रहे मुश्लिम भाई रोज़ा खोलने से पहले दुआ मांगते हैं इस दौरान छात्र सभा पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक चेतरा, पूर्व प्रधान फारूक शाह, क्षेत्र पंचायत सदस्य मो आरिफ शाह,लोहिया वाहिनी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मुराद मंसूरी,प्रदीप यादव, सुमित विश्वकर्मा, दिनेश यादव, सुफियान खान,वैश मंसूरी, अमित यादव, श्री जगदीश यादव मो इरफान, वाजिद तुफानी,यहिया सिद्दीकी, अरकान सिद्दीकी,परवेज आलम ,आदि रोज़े दार मौजूद रहे।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

भारत सरकार की कौशल विकास योजना में अगस्त 2021 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित ट्रेड प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि इस प्रकार है-

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
1.	कोपा	1 वर्ष	12वीं पास
2.	फिटर	2 वर्ष	10वीं पास
3.	बेसिक कम्प्युटिंग	6 माह	साक्षर
4.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वीं पास
5.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वीं पास
6.	सेक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वीं पास
7.	कम्प्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वीं पास
8.	सर्टिफिकेट इन कम्प्युटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वीं पास
9.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वीं पास
10.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कन्डिसनिंग	1 वर्ष	8वीं पास
11.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वीं पास
12.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वीं पास
13.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वीं पास

1.प्रमाण पत्रः- सफल प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो केंन्द्रीय सरकार एवं राज्य सरकार के अधीनस्थ पद एवं सेवा में भर्ती के लिए मान्य है। **2.चयन की प्रक्रियाः-** इस वर्ष कोविड-19 महामारी के चलते सभी सीटों पर दाखिले पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। **3.आयु सीमाः-** उम्मीदवारों की आयु 1 अगस्त 2021 को न्यूनतम 14 वर्ष से अधिक होनी चाहिए। **4.आवेदन कैसे करेः-** आवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते है तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है। **5.**आवेदन फॉर्म भरते समय पंजीकरण शुल्क रूपये 2665/- का भी देय होगा। **6.कक्षायें/उपस्थितिः-** छात्रों की उपस्थिति में दो भाग शामिल है- थ्योरी क्लास और ट्रेनिंग इस वर्ष कोविड-19 स्थिति के कारण सभी छात्र संस्थान द्वारा आयोजित ऑनलाइन कक्षाओं में भाग लेंगे तथा उसके लिए संस्थान में छात्रों की भौतिक उपस्थिती की अनिवार्यता नहीं है, जब तक कोविड-19 की वर्तमान स्थिति समाप्त नहीं हो जाती है। प्रशिक्षण के लिए छात्रो को प्रधानाचार्य की अनूमति के साथ, अपने सम्बंधित मूल स्थानों पर प्रशिक्षण पूरा करने की अनुमति है। परीक्षा के समय छात्रों की उपस्थिति अनिवार्य होगी। **7.छात्रवृत्तिः-** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिनके पास आय प्रमाण पत्र एवं सम्बन्धित दस्तावेज मौजूद हो वे सभी भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है। **8.** अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइटः- **www.nainiiti.com** देखें। **9.दाखिले की अंतिम तिथिः-** 30 अप्रैल 2022

सम्पर्क सूत्र :- 0532-2695959, 9415608710, 9807278552, 9415608790

गरीबों के लिए वरदान है प्रदेश सरकार की नि:शुल्क राशन वितरण योजना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दूसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने व कैबिनेट गठन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक कर 3 माह के लिए प्रदेश के 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन वितरण की सीमा बढ़ाते हुए 30 जून, 2022 तक कर दिये हैं जो गरीबों के लिए एक वरदान है।मुख्यमंत्री का यह निणय्र बेहद मानवीय है, क्योंकि कोरोना के कारण अभी भी गरीबों की स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। सरकार की यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हुई है। प्रदेश के 15 करोड़ पात्र लोगों को डबल राशन का उपहार दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा सभी अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को प्रति यूनिट प्रतिमाह 05 किलोग्राम गेहूं तथा उ0प्र0 सरकार द्वारा सभी पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को मुफ्त 05 किलोग्राम गेहूं/चावल प्रति यूनिट प्रतिमाह तथा अन्त्योदय कार्ड धारकों को मुफ्त 35 किलो गेहूं/चावल के साथ 01 किलोग्राम चीनी भी प्रतिमाह दी जा रही है, साथ ही सभी कार्ड धारकों को मुफ्त 01 किलोग्राम दाल, 01 ली0 खाद्य तेल एवं 01 किलोग्राम नमक का वितरण किया जा रहा है प्रदेश सरकार के एन0एफ0एस0ए0 के नियमित निःशुल्क खाद्यान्न के अतिरिक्त भारत सरकार के निर्देशानुपालन में समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत प्रति व्यक्ति 05 किग्रा0 खाद्यान्न (03 किग्रा0 गेहू व 02 किग्रा0 चावल) का भी प्रति माह निःशुल्क वितरण माह मार्च, 2022 तक कराया गया था। मई, 2021 से फरवरी, 2022 तक 47.91 लाख मी0टन गेहूं तथा 22.56 लाख मी0टन चावल, इस प्रकार कुल 70.47 लाख मी0टन खाद्यान्न का वितरण किया गया। मार्च 2022 में खाद्यान्न वितरित हुआ है। प्रदेश सरकार अप्रैल, 2022 में तीन चरणों में निःशुल्क राशन वितरण करा रही है। पहले चरण में 02 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, दूसरे चरण में 12 से 20 अप्रैल तक एवं तीसरे चरण में 22 अप्रैल से राशन वितरण किया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अन्तर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना के अन्तर्गत प्रवासी/अवरूद्ध मजदूरों को अस्थायी राशन कार्ड संख्या जेनरेट करते हुए, माह मई, 2020 से अगस्त, 2020 तक प्रति यूनिट 05 किग्रा0 की दर से 11888.657 मी0टन निःशुल्क खाद्यान्न व प्रति कार्ड 01 किग्रा0 की दर से 1060.497 मी0टन निःशुल्क चना का वितरण कराया गया है। दिव्यांगजन को राशनकार्ड उपलब्ध कराये जाने के लिए दिव्यांगजन को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आच्छादित किये जाने हेतु समय-समय पर विशेष अभियान चलाया जाता है, जिसके अन्तर्गत 18,50,363 दिव्यांगजन को एन0एफ0 एस0 ए0 के अन्तर्गत आच्छादित किया गया है। जब कोरोना वायरस के फैलने से पूरा देश लॉकडाउन हो गया। विश्वव्यापी यह महामारी ऐसे समय फैली की आम व्यक्ति इसके लिए तैयार नहीं था। लोगों का जीवन सामान्य गति से चल रहा था। हमारे देश में बड़ी संख्या में गरीब, कमजोर, मजदूर लोग व विभिन्न स्वउद्यम छोटे-छोटे दुकान, व्यवसाय, रिक्सा चालक, आटो चालक आदि मजदूरी करके दैनिक आमदनी से अपनी आजीविका चलाते हैं। कोविड-19 के कारण आमजन सुरक्षित रहे और यह वायरस अन्य लोगां में फैलने न पाये, इसी को दृष्टिगत रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को सम्बोधित करते हुए कहा था, कि ''हमें जान भी चाहिए और जहॉन भी चाहिए''। प्रधानमंत्री जी को यह जानकारी थी कि देश में बड़ी जनसंख्या दैनिक आमदनी पर निर्भर है, इसलिए उन्होंने पूरे देश के गरीबों, कमजोरों, श्रमिकों, दैनिक मजदूरों आदि के लिए आत्मनिर्भर भारत योजना एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत देश की जनता में खाद्यान्न वितरित कराने की व्यवस्था की उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लॉकडाउन से लेकर अभी तक लगातार गरीबों, श्रमिकों, दैनिक आमदनी से आजीविका चलाने वाले, गरीबों को खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुदृढ़ करते हुए प्रदेश के सभी जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि पूरे प्रदेश में कोई व्यक्ति भूखा न रहे, सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। जिन परिवारों के राशन कार्ड है या जिनके पास नहीं है, ऐसे सभी पात्रों को खाद्यानन वितरित किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि प्रदेश के किसी कोने से ऐसी कोई समस्या नहीं आई कि किसी गरीब, असहाय, श्रमिक जरूरतमंद को खाद्यान्प न मिला हो। लॉकडाउन के समय से लेकर आज तक सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के श्रमिकों/कामगारों को भी राष्ट्रीय राशन पोर्टविलिटी के तहत खाद्यान्न का वितरण किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा असहाय, वृद्धजन, दिव्यांगजनों, निःशक्तजनों तथा हॉटस्पाट एरिया जहां पूर्ण लॉकडाउन था और आज भी वे उचित दर की दुकान तक नहीं जा सकते, उन क्षेत्र के ऐसे 7890 परिवारों को लगातार राशन की होम डिलीवरी की जा रही है लॉकडाउन के दौरान बहुत से ऐसे परिवार, श्रमिक, गरीब और निःसहाय लोग थे, जिनके पास खाद्यान्न तो था किन्तु किसी कारणवश भोजन बना नहीं पाते थे। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों में कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की जिसके माध्यम से गांवों नगरों में खाना बनाकर परिवारों, श्रमिकों को बना-बनाया भोजन आपूर्ति किया गया। प्रदेश सरकार कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में अन्य प्रदेशों से आने वाले श्रमिकों/कामगारों को प्रवास के लिए विभिन्न क्वारंटीन सेन्टर एवं ट्रांजिट कैम्प बनाये गये है, जहां वह निवासित थे, ऐसे लोगां को विशेष सतर्कता बरतते हुए अनुमन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उसी सेन्टर में की गई। ताकि लाभार्थियों के सुगमतापूर्वक इस योजना का लाभ प्राप्त हो जाय और उन्हें उचित दर की दुकानों पर न जाना पड़े। प्रदेश सरकार की सुदृढ़ सुव्यवस्थित राशन वितरण प्रणाली के कारण ही प्रदेश के गांवों, कस्बों, नगरों में हर जरूरतमंद को खाद्यान्न लगातार मिल रहा है। उ0प्र0 के श्रमिक/कामगार जो देश के अन्य प्रदेशों से आये हैं, उन्हें प्रदेश सरकार सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा मुहैया करा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा हर पात्रों को दिये जा रहे राशन की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। प्रदेश के गाँवों के अंतिम व्यक्ति तक को राशन मिलने से मुख्यमंत्री योगी जी प्रदेश के गरीबों के मसीहा बन चुके हैं।

रोजगार मेले में हुआ 58 अभ्यर्थियों का चयन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में रोजगार मेले तथा कैरियर काउन्सिलिंग का आयोजन किया गया जिसमें 58 अभ्यर्थियों का चयन किया। इसमें

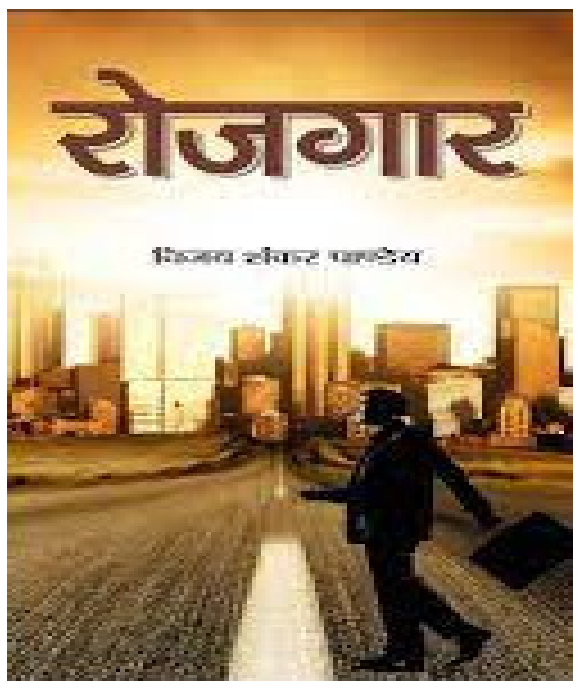

100से अधिक अभ्यथिय्रों ने प्रतिभाग किया।रोजगार मेले में मार्केटिंग, मैनुफैक्चरिंग, सेवा क्षेत्र से जुड़ी 4 कम्पनियां नव भारत फर्टिलाइजर्स लिमिटेड, पुखराज हेल्थकेयर लिमिटेड, मेक आरगेनिक लिमिटेड तथा सीडेक लिमिटेड के एच0आर0 प्रतिनिधियों ने अपनी कम्पनियों में रिक्त पदों के सापेक्ष अभ्यर्थियों का साक्षात्कार करते हुये 58 अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिभागी अभ्यर्थियों की कैरियर काउन्सिलिंग भी की गई। जिला सेवायोजन अधिकारी विजय बहादुर सिंह सेंगर ने अभ्यर्थियों को सरकारी/प्राइवेट क्षेत्र में प्रदेश में सृजित रोजगार के अवसरों को अधिकतम लाभ उठाने की सलाह दी। सहायक जिला सेवायोजन अधिकारी अनुभव त्रिपाठी ने प्रतिभागियों को इण्टरनेट पर उपलब्ध फ्री आनलाइन कोर्सेस जैसे यूट्यूब/यूडेमी इत्यादि के माध्यम से निरन्तर कौशल संवर्धन करते रहने की सलाह दी। कैरियर काउन्सलर अजीत प्रताप सिंह विभागाध्यक्ष डीएलएड पीबी कालेज द्वारा शिक्षा क्षेत्र में संभावनाओं पर चर्चा करते हुये अभ्यर्थियों को उत्साहवर्धन किया गया। आयोजन में बड़ौदा स्वरोजगार विकास संस्थान प्रधानमंत्री कौशल केन्द्र तथा कौशल विकास मिशन के प्रतिनिधियों द्वारा प्रतिभाग करते हुये अपने संस्थान में संचालित ट्रेनिंग, प्रशिक्षण, स्वरोजगारपरक योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

गंगा नदी में डूबे दो बच्चे, मृतकों के शव को एनडीआरएफ, जल पुलिस और स्थानीय मल्लाहों के संयुक्त प्रयास से निकाला गया

(आधुनिक समाचार सेवा)

वाराणसी बुधवार सुबह के समय काशी के तुलसी घाट के समीप मुगल सराय, जिला चंदौली से आए चार बच्चे गंगा नदी में नहा रहे थे, जिसमें से दो बच्चे नहाते हुए गहरे पानी में चले गए और इसी के दौरान नदी में डूब गये। घटना की जानकारी प्रशासन द्वारा दशाश्वमेध घाट पर स्थित एनडीआरएफ टीम को दी गई। सूचना मिलते ही टीम कमांडर निरीक्षक विनीत कुमार की अगुवाई में तत्काल कार्यवाही करते हुए एनडीआरएफ टीम घटना स्थल के लिए रवाना हो गई गयी। घटनास्थल पर उपस्थित पुलिस प्रशासन से हादसे की जानकारी लेते हुए एनडीआरएफ की टीम ने विभिन्न खोज तकनीकों व गोताखोरों के माध्यम से गंगा नदी में खोज कार्य आरम्भ कर दिया। लगातार जारी रहे खोज अभियान व कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चों अंकित कुमार यादव आयु 17 वर्ष और दिवाकर मोदी आयु 16 वर्ष के शव को एनडीआरएफ, स्थानीय मल्लाहों व जल पुलिस के संयुक्त प्रयास के द्वारा खोज निकाला गया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया।

बलिया में कलयुगी बहु-बेटे ने अधेड़ बाप को लाठी-डंडे से पीट-पीटकर मौत के घाट उतारा,बहू गिरफ्तार तो बेटा फरार

(आधुनिक समाचार सेवा)
शीतल प्रसाद गुप्त

बलिया। जिले के बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के चोरकैंड गांव निवासी 67 वर्षीय रामजन्म राजभर को मंगलवार की रात कलयुगी बेटे प्रमोद व बहू शांति ने लाठी-डंडे से मारपीट कर घायल कर दिया।पिता को बचाने पहुंचे अशोक पर भी हमला कर जख्मी कर दिया। लोग रामजन्म को लेकर पीएचसी बांसडीह पर पहुंचे,जहां के डाक्टरों नेप्राथमिक इलाज के बाद सदर अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल के डाक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। कोतवाल राजीव मिश्र ने बताया कि इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी बहू को गिरफ्तार कर लिया गया है। बेटे की तलाश की जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के चोरकैंड गांव में मंगलवार की मध्य रात्रि बेटे और बहू ने लाठी डंडे से पीटकर पिता को जख्मी कर दिया। उसे अस्पताल ले जाया गया, बुधवार को दोपहर इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मामले में पुलिस ने हत्या का मुकदमा कायम किया है। बहू को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि घटना के बाद बेटा फरार हो गया है। उसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। घटना का कारण प्रापर्टी का विवाद सामने आया है। बताया जाता है कि चोरकैंड निवासी रामजन्म राजभर (67) देर रात अपने घर के बाद बैठे थे। इसी

बीच उनके बेटे प्रमोद और बहू शांति देवी ने हमला कर दिया। लाठी-डंडे से उन्हें पीटने लगे, इसके चलते वह घायल हो गए। चीख-पुकार सुनकर दूसरा बेटा अशोक का परिवार बचाने के लिए आगे बढ़ा तो उन्हें भी पीट दिया गया। मामले की सूचना पुलिस को दी गई तो कोतवाल राजीव मिश्र मौके पर पहुंचे। स्वजन रामजन्म को बांसडीह प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। जहां डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान रामजन्म की मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। इस दौरान प्रत्यक्षदर्शियो बताया कि अशोक के साथ रहता था रामजन्म, चलता रहा विवाद मृतक रामजन्म के तीन पुत्र अशोक, प्रमोद और विनोद है। ग्रामीणों के अनुसार रामजन्म अशोक के परिवार के साथ ही रहते थे।प्रमोद व अन्य परिवार को वह कुछ देते नहीं थे। कुछ दिनों पहले ही रामजन्म ने अपने गांव की जमीन बेची थी,जिसका सारा रुपया अशोक को दिया। इसी बात को लेकर विवाद चल रहा था। प्रमोद और उसकी पतने शांति देवी रामजन्म से अपने हिस्से का रुपया मांग रहे थे। इसको लेकर काफी विवाद चल रहा था। खून रिश्ते की खून के इस हृदय विदारक घटना के बाद गांव में पीएसी तैनात, हो रही कार्रवाई कोतवाल राजीव मिश्र ने बताया कि रामजन्म के नाती अंकित राजभर की तहरीर पर प्रमोद व शांति देवी के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया है। शांति देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है।आरोपित बेटा प्रमोद घर से फरार है। गांव में सुरक्षा को देखते ही रात से ही पुलिस व पीएसी के जवानों की तैनाती कर दी गई है।

दिव्यांगजनों के लिये आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों की होगी स्थापना

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी राम प्रकाश सिंह ने बताया कि जनपद में मानसिक मंदित तथा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन हेतु आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों की स्थापना की जाएगी। इसके संचालन हेतु स्वैच्छिक संगठनों को सहायता प्रदान किये जाने की व्यवस्था प्रदेश सरकार द्वारा की गयी है। उन्होंने बताया है कि निःशक्त व्यक्ति (सामान्य अवसर अधिकारों का संरक्षण और पूर्ण भागीदारी) अधिनियम 1995 एवं दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम-2016 के अन्तर्गत पंजीकृत प्रदेश के स्वैच्छिक संगठन जो मानसिक मंदिता के क्षेत्र में अनुभव तथा योजना हेतु पात्रता रखते हो दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग उ0प्र0 की वेबसाइट से प्रशन्गत योजना से सम्बन्धित दिशा निर्देश व आवेदन पत्र का प्रारूप प्राप्त कर सकते है। इच्छुक स्वैच्छिक संस्थायें मानसिक मंदित तथा मानसिक रूप से रूग्ण निराश्रित दिव्यांगजन हेतु आश्रय गृह सह प्रशिक्षण केन्द्रों के स्थापना/संचालन हेतु सहायता योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिये 03 प्रतियों में अनुदान प्रस्ताव विलम्बतम दिनांक 30 जून 2022 तक जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण कार्यालय में जमा कर सकते है।

वाराणसी में 53 निःसंतान दंपती के नाम पर धोखाधड़ी

वाराणसी। वाराणसी जिले में निःसंतान दंपती को संतान प्राप्ति के 100 प्रतिशत वादे के साथ खोले गए(इन विट्रो फर्टिलाइजेशन ट्रीटमेंट) सेंटर द्वारा ट्रीटमेंट के नाम पर दर्जनों महिलाओं से धोखाधड़ी सामने आई है। इस मामले में नई दिल्ली की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मनिका खनन के खिलाफ कैंट पुलिस ने अमानत में खयानत और धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। इस बाबत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भेजे गए शिकायती पत्र के आधार पर कैंट पुलिस ने मामला दर्ज किया है। आरोप है कि प्रति महिला औसतन ढाई से तीन लाख रुपए वसूलने के बाद भी वाराणसी के सेंटर पर 53 लोगों में से कोई भी मां नहीं बन सकी। वजह पूछने पर अस्पताल द्वारा अमानवीय व्यवहार किया गया। शिकायतकर्ता बीके सिंह ने पीएम को लिखे शिकायती पत्र में 12 बिंदुओं को उठाते हुए बताया कि डॉ. मनिका दिल्ली की एक प्रतिष्ठित स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। नई दिल्ली के साथ ही देश में कई जगह उनकेआइवीएफ सेंटर संचालित हो रहे हैं। वाराणसी में भी डॉ. मनिका का पांडेयपुर क्षेत्र में गौडियम आइवीएफ सेंटर है।

जनपद में 18से 24 अप्रैल तक चलेगा सड़क सुरक्षा सप्ताह

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) सुशील कुमार मिश्रा ने बताया कि जनपद में 18 अप्रैल से 24 अप्रैल तक सड़क सुरक्षा सप्ताह का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने बताया कि दिनांक 22 अप्रैल को प्रतापगढ़ मुख्यालय पर स्थित रोडबेज बस अड्डे पर प्रातः 10 बजे से चालकों/परिचालकों की सामान्य स्वास्थ्य एवं नेत्र जांच परीक्षण का आयोजन किया जायेगा। दिनांक 24 अप्रैल को अयोध्या से प्रयागराज जाने वाली राजमार्ग पर स्थित भैरोपुर में अपरान्ह 1 बजे से स्कूली वाहनों के चालकों एवं टेम्पों टैक्सी तथा बस आदि के वाहन चालकों का आई0एम0ए0 एवं स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से सामान्य स्वास्थ्य एवं नेत्र परीक्षण किया जायेगा। इसी प्रकार विभिन्न विभागों द्वारा सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे।

वाराणसी पहुंची स्मृति ईरानी ने कांग्रेस को घेरा

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी गुरुवार को वाराणसी पहुंचीं और पार्टी कार्यालय पर आयोजित सामाजिक समरसता दिवस पर समारोह को संबोधित किया। इस दौरान पार्टी के कार्यकर्ता और पदाधिकारी भी मौजूद रहे। इसके पूर्व सुबह स्मृति ईरानी विमान से बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचीं तो पार्टी की ओर से उनका स्वागत किया गया, इसके बाद वह शहर के लिए रवाना हो गईं। रोहनिया स्थित पार्टी मुख्यालय पर उन्होंने सामाजिक समरसता दिवस को संबोधित करते हुए कहा कि यह देश का दुर्भाग्य है कि कुछ पार्टियां वर्ग विशेष की राजनीति कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी जाति या वर्ग के नाम पर वोट नहीं मांगते है। वह विकास की बात करते है, जो बाबा साहब का सपना था। काशी ने पीएम नरेन्द्र मोदी को यहां से सांसद चुना और देश ने सेवक मिला जो लगातार बाबा साहब के सपनों को पूरा कर रहा है। देश में सशक्त भारत की संकल्पना तब ही साकार होगी जब सरकार के खजाने पर सभी गरीबों का हक हो।

ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य मेले का होगा आयोजन-जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समस्त ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य इकायों पर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य मेले के सम्बन्ध में जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कैम्प कार्यालय के सभागार में बैठक हुई।उन्होंने बताया कि दिनांक 18 अप्रैल से 23 अप्रैल तक ब्लाक स्तरीय स्वास्थ्य इकायों पर स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मेले स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग से सम्बन्धित विभिन्न सेवायें जैसे मातृ शिशु कल्याण, टीकाकरण, परिवार नियोजन, संचारी एवं गैर संचारी रोगों से सम्बन्धित सेवायें प्रदान की जायेंगी। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान भारत कार्ड बनाया जायेगा। मेले में उपस्थित लोगों के लिये डिजिटल स्वास्थ्य आई डी कार्ड बनाने की सुविधा दी जायेगी। स्वस्थ रहने के लिये उच्चतम स्वास्थ्य एवं उचित व्यवहार अपनाने के लिये व्यापक प्रचार प्रसार किया जायेगा। रोगों की शीघ्र पहचान हेंतु स्क्रीनिंग/परीक्षण, औषधि एवं जांच सुविधा के साथ आवश्यकतानुसार सम्बन्धित विशेषज्ञ से टेली कंसलटेंसी प्रदान की जायेगी, सम्बन्धित विभागों द्वारा संचालित योजनाओं के बारे में लोगों को जागरूक किया जायेगा।उन्होने बताया कि स्वास्थ्य मेले का शुभारम्भ माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा किया जायेगा। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य मेले में खाद्य औषधि विभाग, पंचायती राज विभाग, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, नगर विकास, बाल विकास एवं पुष्टाहार, आयुर्वेद एवं युनानी, दिव्यांग विभाग, युवा कल्याण एवं खेल विभाग, स्वास्थ्य विभाग आदि द्वारा योजनाओं से सम्बन्धित स्टाल लगाये जाये जिससे आमजनमानस को योजनाओं की जानकारी प्राप्त हो सके। स्टाल की व्यवस्था मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा करायी जायेगी। बैठक में जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया कि स्वास्थ्य मेले के आयोजन में किसी भी प्रकार की लापरवाही न की जाये, सभी सम्बन्धित अधिकारी अपने-अपने दायित्वों का शत् प्रतिशत निर्वहन करें और स्वास्थ्य मेले के कार्यक्रम को सफलतापूर्वक सम्पनन करायें।बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी ने बताया कि स्वास्थ्य मेले में लोगों की जांच, निःशुल्क दवाओं का वितरण, परिवार कल्याण, टीकाकरण सहित अन्य कार्यक्रम आयोजित किये जायेगें।

छात्रवृत्ति के आवेदनों के अग्रसारण हेतु समय-सारिणी जारी

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। जिला समाज कल्याण अधिकारी राजीव कुमार ने बताया कि शैक्षिक सत्र वर्ष 2021-22 में अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं से सम्बन्धित छात्र/छात्राओं के लम्बित आवेदनों के अग्रसारण हेतु समय सारिणी जारी कर दी गई है। उन्होने बताया कि दिनांक 18 अप्रैल तक शिक्षण संस्था स्तर पर गत वर्ष में छात्र/छात्रा के अग्रसारण हेतु लम्बित आनलाईन आवेदन को प्राप्त करने के उपरान्त सत्यापित या निरस्त या अग्रसारित किया जायेगा। दिनांक 22 अप्रैल तक जिला विद्यालय निरीक्षक (कक्षा 11-12) एवं सम्बन्धित विश्वविद्यालय एवं एफिलियेटिंग एजेन्सी द्वारा संस्था की मान्यता पाठ्यक्रम का वर्ष एवं अध्ययनरत वर्गवार वास्तविक छात्र संख्या की प्रमाणिकता को डिजिटल हस्ताक्षर से आनलाइन सत्यापित किया जायेगा। अपात्र छात्रों पाठ्यक्रमों संस्थाओं को ब्लॉक किया जायेगा।

छात्रवृत्ति

अम्बेडकर जयन्ती पर होंगे विभिन्न कार्यक्रम एवं समारोह

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह

प्रतापगढ़। अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) मुकेश चन्द्र ने बताया कि दिनांक 14 अप्रैल को बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के जन्म दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों एवं समारोहों का आयोजन किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रातः 7 बजे से प्रातः 9 बजे तक उपजिलाधिकारी सदर की उपस्थिति में पड़ाव वार्ड मलिन बस्ती में स्वच्छता अभियान एवं चिकित्सकीय परीक्षण अभियान का आयोजन किया जायेगा। पूर्वान्ह 10 बजे से जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में डा0 भीमराव अम्बेडकर के बड़े चित्र का अनावरण एवं माल्यार्पण तथा उनके जीवन दर्शन एवं आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान पर चर्चा की जायेगी। इसी प्रकार पूर्वान्ह 10 बजे से ही मुख्य

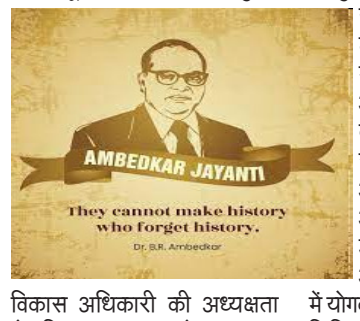

विकास अधिकारी की अध्यक्षता में विकास भवन में, समस्त उपजिलाधिकारी अपनी-अपनी तहसीलों में व समस्त विकास खण्डों में डा0 भीमराव अम्बेडकर के बड़े चित्र का अनावरण एवं माल्यार्पण तथा उनके जीवन दर्शन एवं आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान पर चर्चा की जायेगी। पूर्वान्ह 11 बजे से मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में प्रसार प्रशिक्षण केन्द्र अफीम कोठी में बाबा साहब डा0 भीमराव अम्बेडकर के बड़े चित्र का अनावरण एवं माल्यार्पण तथा उनके जीवन दर्शन एवं आधुनिक भारत के निर्माण में योगदान पर चर्चा होगी तथा जिला चिकित्सालय में मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा मरीजों को फल वितरित किया जायेगा।

बलिया के पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज मुकदमा वापस हो

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। बलिया में नकल माफियाओं की पोल खोलने वाले पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज मुकदमा वापस लिए जाने एवं दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने की मांग को लेकर बुधवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर विरोध जताया साथ ही महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट रमेश कुमार को सौंपा। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुधाकर मिश्रा ने कहा कि बलिया जिला प्रशासन द्वारा निलंबित करने की मांग की गई है। पत्रकार उत्पीड़न की घटनाओं को रोकने, पत्रकारों को शासन स्तर से सूचीबद्ध किए जाने, पत्रकारों की सुरक्षा की गारंटी दिलाए जाने, पत्रकार आयोग का गठन किए जाने, पत्रकारों की गिरफ्तारी राजपत्रित अधिकारी से जांच कराए बगैर नहीं किए जाने की मांग की गई है। ज्ञापन देने वालों में राजेश कुमार पाठक, रवि पांडेय, धर्मवीर सिंह, सुनील सिंह, संतोष सोनी, रामकेश यादव, दिनेश पांडेय, रामनरेश शुक्ला, बद्री प्रसाद गौतम, चिंता पांडेय, विवेक कुमार पांडेय, अंशुमान पांडेय, अरविंद तिवारी, सावित्री देवी, रविकांत

नकल माफियाओं पर सीधी कार्रवाई करने के बजाय कलम के सिपाहियों के मुंह बंद करने और हाथ बाधने की कोशिश के साथ पत्रकारिता का गला घोटने का कार्य किया गया है। यह कृत्य निंदनीय है। दिए ज्ञापन पत्र में बलिया के डीएम व एसपी के विरुद्ध न्यायिक जांच कराए जाने एवं जब तक परिणाम न आए इन्हें उपाध्याय आदि शामिल रहे।ग्रपाए ने महामहिम राज्यपाल को सम्बोधित 7 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट को सौंपा फोटोः कलेक्ट्रेट में प्रभारी अधिकारी कलेक्ट्रेट रमेश कुमार को ज्ञापन देते ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य।

चौथे दिन हुई शव की शिनाख्त

चुनार। तीन दिन पूर्व गंगा में कूदकर खुदकशी करने वाली वृद्धा की शिनाख्त शहजादी देवी (65) पतनै जोखूराम निवासी मिश्रपुरा थाना रोहनिया वाराणसी के रूप में हुई। पुलिस ने शव को स्वजनों को सौंप दिया। मृतका के पुत्र रतन कुमार ने समाचार पत्र के माध्यम से मिली सूचना के आधार पर चुनार पहुंचे। शव की पहचान अपनी माता शहजादी देवी के रूप में की। मृतका कई दिनों से बीमार चल रही थी। 10 अप्रैल को गंगा पुल के मेड़िया छोर से उसने छलांग लगा दिया। मछुआरों ने बचाने की कोशिश की। लेकिन वह डूब चुकी थी। मृतका के पास मिली पोटली में मिसिरपुर वाराणसी के सरकारी अस्पताल की पर्ची मिली थी।

भगवान दूग्धेश्वर महादेव का नवनिर्मित मंदिर भक्तों के द्वारा निकाली गई भव्य शोभायात्रा

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

रॉबर्ट्सगंज (सोनभद्र)। जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के मुख्य चौराहा के शीतला मंदिर रोड पर स्थित भगवान दूग्धेश्वर महादेव के नवनिर्मित मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर शिव भक्तों द्वारा कलश यात्रा निकाली गई यह कलश यात्रा नवनिर्मित मंदिर से आरंभ हुई और संपूर्ण नगर में भ्रमण करते हुए पुनः मंदिर पर जाकर सम्पन हुई। इस कलश यात्रा में माताये एवं बहने सिर पर कलश धारण किए भगवान शिव के भक्तिमय गीत गाते हुए चल रही थी, दूसरी ओर डीजे के भक्तिमय धुन पर युवा और युवतियों के पैर थिरक रहे थे कलश शोभायात्रा में नगर के सभी वर्ग के लोग भगवान भोलेनाथ का जयकारा लगाते हुए हाथों में भगवा ध्वज लिए गगनभेदी उद्घोष कर रहे थे यात्रा में मुख्य रूप से बीजेपी के जिला महामंत्री व पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष कृष्ण मुरारी गुप्ता, विंध्य संस्कृति शोध समिति उत्तर प्रदेश ट्रस्ट के निदेशक दीपक कुमार केसरवानी, केसरवानी वैश्य सभा के लवकुश प्रसाद केसरी, दीपक केसरी, रामजी मोदनवाल, मंगल केसरी, हरिहर केसरी,संगम केसरी, उमेश केसरी, हर्ष केसरी, रिशु केसरी, हर्षवर्धन केसरवानी मनोज सोनकर, प्रकाश केसरी एवं सरोज केसरी, संगीता गुप्ता, शालू केसरी, मंजू गिरी, चंद्रकला,

केसरी, किशोरी केसरी,सचिन कुमार गुप्ता, पवन केसरी, गोविंद केसरी, चंदन केसरी, प्रियांशु कलावती, गुडिया, सावित्री देवी सहित आदि शिव भक्त कलश यात्रा में शामिल रहे।

जलियावाला बाग के शहीदों को किया नमन

(आधुनिक समाचार सेवा)
अनिल कुमार अग्रहरी

डाला(सोनभद्र)। आज बुधवार शाम डाला नवनिर्माण सेना के तत्वावधान में युवाओं ने जलियावाला बाग में शहीद हुए सैकड़ों देशवासियों व प्रदर्शनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। बता दें कि आज से 103 वर्ष पूर्व पंजाब प्रांत के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के निकट जलियावाला बाग में 13 अप्रैल 1919(बैसाखी के दिन) रौलेट एक्ट का विरोध करने के लिए एक सभा हो रही थी जिसमे जनरल डायर नामक एक अंग्रेज़ अफ़सर ने अकारण उस सभा में उपस्थित भीड़ पर गोलियां चलवा दी जिसमे 400 से भी अधिक देशवासी शहीद हो गए। इस दौरान नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष अंशु पटेल ने कहा कि यह घटना भारत के इतिहास की

सबसे क्रूरतम घटनाओं में से एक है। श्रद्धांजलि सभा में नवनिर्माण सेना के संरक्षक छात्र संघ के पूर्व महामंत्री अनिकेत श्रीवास्तव,महामंत्री प्रशांत कुमार पाल,श्रीकांत पांडे,राकेश पासवान,अवनीश पांडे,अनिल सिंह,राजू चंद्रवंशी,गोविंद भारद्वाज, सर्वेश पटेल,संजय गुप्ता,गौतम चौधरी,विकास पटेल,अनुपम सिंह,गंगा सागर,आदि मौजूद रहे।

एक किग्रा 550 ग्राम गाजे के साथ एक अभियुक्त की हुई गिरफ्तारी.....

(आधुनिक समाचार सेवा)
चिन्ता पान्डेय

सोनभद्र। थाना ओबरा पुलिस द्वारा 01 नफर अभियुक्त छोटू जायसवाल पुत्र भगवान दास जायसवाल निवासी भलुआ टोला थाना ओबरा जनपद सोनभद्र को डाला रेलवे स्टेशन क्रासिंग के पास से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 किग्रा 550 ग्राम गांजा बरामद किया गया तथा उपरोक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना ओबरा पर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कर अभियुक्त उपरोक्त को मा0 न्यायालय भेजा गया । गिरफ्तार अभियुक्त - 1- छोटू जायसवाल पुत्र भगवान दास जायसवाल निवासी भलुआ टोला थाना ओबरा जनपद सोनभद्र । गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम 1- उ0नि0 श्री राम यादव थाना ओबरा सोनभद्र । 2- हे0का0 इमरान खाँ थाना ओबरा सोनभद्र । 3- का0 सौरभ यादव थाना ओबरा सोनभद्र ।

निजी स्कूलों की मनमानी लगेगा अंकुश

मीरजापुर। जिले में निजी स्कूलों की मनमानी पर अब अंकुश लगेगा। निश्शुल्क और अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम 2009 के तहत जनपद के निजी स्कूलों में हुए प्रवेश की जांच की जाएगी। आरटीई के तहत प्रवेश लेने में निजी स्कूलों द्वारा आनाकानी की जा रही है। जिस पर सख्त रवैया अपनाया जाएगा। बीएसए गौतम प्रसाद ने जांच के लिए खंड शिक्षा अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी है। टीम बीएसए द्वारा निर्धारित छह बिदुओं पर गहन जांच करके अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। आरटीई के तहत चयनित लाभार्थियों का स्थलीय सत्यापन कराया जाएगा। बीएसए ने खंड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार सेंट मेरी स्कूल व सेंट जेवियर्स स्कूल, सुनील कुमार वर्धमान पब्लिक स्कूल व सेमफोर्ड स्कूल, राजेश कुमार श्रीवास्तव डैफोडिल्प पब्लिक स्कूल, रविद्र शुक्ल सेठ द्वारिका प्रसाद बजाज व आदर्श जैन बाल मंदिर और धर्मेद्र कुमार लायंस स्कूल में हुए प्रवेश की जांच करेंगे। इन विद्यालयों द्वारा योजना के तहत प्रवेश लेने में आनाकानी की जाती है। अपने को अल्पसंख्यक श्रेणी में बताकर बच्चों से अत्यधिक मात्रा में फीस वसूली की जा रही

है। बीएसए ने तीन दिन में छह बिदुओं पर जांच करके रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार के पास लोगों ने शिकायत किया है कि विभागीय मिलीभगत से अपात्रों का योजना के तहत चयन किया जा रहा है। प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए डीएम ने जांच का निर्देश दिया है। यह है जांच बिदुजिले में वर्ष 2022-23 में आरटीई के तहत चयनित बच्चों का प्रवेश कराने। वर्ष 2018-19 से लेकर 2021-22 तक नामांकित बच्चों का आय प्रमाण पत्र व आर्थिक स्थिति का भौतिक सत्यापन। - आरटीई के तहत प्रवेश में हीलाहवाली करने वाले स्कूलों की मान्यता निरस्त करने व जुर्माना। - आरटीई बच्चों से प्रबंधक द्वारा अन्य मद के नाम पर की जा रही वसूली को बंद कराने। - गलत आय प्रमाण पत्र लगाकर प्रवेश कराने वाले अभिभावकों पर एफआईआर। - आरटीई के तहत प्रवेश लेने में हीलाहवाली करने वाले स्कूलों की मान्यता समाप्त करने के संबंध में जांच। क्या है आरटीई निश्शुल्क व अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों को 25 प्रतिशत सीटों पर दुर्लभ व अलाभित समूहों के बच्चों को प्रवेश देने के निर्देश हैं। इसके लिए निजी स्कूलों को सरकार शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए प्रति बच्चा 450 रुपए प्रतिमाह की दर से अनुदान भी देती है।

पूर्णिमा तक के लिए हुई थी तैयारी, नवरात्र बाद ही समेटा

विध्याचल। चैत्र नवरात्र मेला समाप्त होते ही विध्याचल से सारी व्यवस्था समाप्त हो गई। पूर्णिमा तक के लिए दर्शनार्थियों की सुविधा को लेकर तैयारियां की गई थी, लेकिन नवरात्र बाद ही सभी तैयारियां समेट लिए गए। ऐसे में विध्यधाम आने वाले दर्शनाथियों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चैत्र नवरात्र मेला शुरू होने से पूर्व तैयारियों को लेकर खूब भाग-दौड़ हुई थी। भरोसा दिलाया था कि पूर्णिमा तक यह व्यवस्था यथावत रहेगी। नवरात्र बाद ही सब गायब हो गया। धूप से बचाव के लिए लगाया गया टेंट व मैट भी हटा लिया गया है। यहां तक कि गंगा घाटों पर सुरक्षा के लिए की गई बैरिकेडिग भी हटा लिया गया है। सफाई व्यवस्था की तो बात ही मत कीजिए। जिधर देखिए उधर गंदगी ही गंदगी देखने को मिल रही है। घाटों पर भी गंदगी का अंबार है। ऐसे में विध्य विकास परिषद पर भी सवाल उठने लगे है। लोगों का कहना है कि विध्यवासिनी मंदिर के दानपात्र से सवा करोड़ रुपये प्रतिवर्ष निकलता है, जो विध्य विकास परिषद के खाते में जमा होता है। यह पैसा विध्यधाम के विकास व दर्शनार्थियों की सुविधा पर खर्च किए जाने चाहिए, ऐसा नियम है। इसके बाद भी दर्शनार्थियों की सुविधा को लेकर कोई ठोस प्रबंध नहीं किया जा रहा है। दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए जो भी व्यवस्था करनी होगी, वह की जाएगी। सफाई व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने की जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद की है। इसके लिए ईओ को निर्देशित किया गया है। हालांकि गंगा हादसा से बचने के लिए सननार्थियों को सतर्कता व सावधानी बरतने की जरूरत है।

चला बुलडोजर, हटाया गया अतिक्रमण.....

चील्ह। तिलठी गांव में जिला प्रशासन के निर्देश पर विरोध के बावजूद बाबा का बुलडोजर चला। आराजी नंबर 1010 को लेकर वर्षों से दो पक्षों के बीच विवाद चल रहा है। जिस पर वादी अशोक कुमार

मिश्रा ने भूमि से अतिक्रमण हटाने के लिए जिला प्रशासन से गुहार लगाई। बुधवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर उपजिलाधिकारी सदर चंद्रभानु तथा सीओ सदर शैलेंद्र कुमार त्रिपाठी, थाना प्रभारी अजीत कुमार श्रीवास्तव तथा बड़ी संख्या में पुलिस एवं राजस्व टीम के साथ मौके पर पहुंचे। भूमि से अतिक्रमण हटाया गया। अतिक्रमण हटाते समय दूसरे पक्ष की महिलाएं विरोध करने लगी। प्रशासन ने उनकी एक न सुनी। प्रतिवादी के वकील अजय यादव उपजिलाधिकारी से आदेश दिखाने को कहा, कितु मौके पर वह नहीं दिखा पाए। वकील ने कहा की इस भूमि का मुकदमा जिला न्यायालय में लंबित है। फिर भी जिला प्रशासन के आदेश पर अतिक्रमण हटाया गया।

पूर्वांचल के ध्यानार्थ फोटो 16 पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार के लिए मीरजापुर चयनित

मीरजापुर : जिला पंचायत के क्षेत्र में नाली, सड़क, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था के साथ ही पीने के स्वच्छ पानी की जनता तक पहुंच सहित गांवों तक अब शहरी सुविधाएं पहुंच रही हैं। गांवों में स्वच्छता, सफाई, पर्यावरण प्रदूषण से बचाव, जल संरक्षण, पेयजल के कार्यों को विशेष तरजीह दी जा रही है। इन उत्कृष्ट कार्यो के लिए पं. दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार-2022 के लिए जिला पंचायत मीरजापुर का चयन हुआ है। प्रदेश स्तर पर सामान्य श्रेणी में जिला पंचायत जालौन का एलजीडी कोड 151 तथा जिला पंचायत मीरजापुर का एलजीडी कोड 170 में चयन राष्ट्रीय स्तर पर पंचायत पुरस्कार के लिए हुआ है। आगामी 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस पर संबंधित को प्रधानमंत्री पुरस्कृत करेंगे। अपर मुख्य अधिकारी नीतू सिंह सिसौदिया ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान किए गए विभिनन उल्लेखनीय कार्यो के आधार पर जिले का चयन दीनदयाल उपाध्याय पंचायत सशक्तीकरण पुरस्कार योजना 2022 के लिए हुआ है। भौतिक सत्यापन के उपरांत जिला पंचायत मीरजापुर को पुरस्कार के लिए चयन किया गया, जो जिले एवं प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इसके साथ ही जिला पंचायत मीरजापुर द्वारा क्षेत्र में जिला पंचायत द्वारा स्कूलों में पंजीकरण बढ़ाने व ड्राप आउट बच्चों की संख्या को घटाने, बच्चों में कुपोषण को दूर करने के प्रयास को देखा गया। जिला पंचायत द्वारा पांच वर्ष उम्र समूह के बच्चों को सार्वभौमिक टीकाकरण, लिग अनुपात को सुधार, इकोलाजी व पर्यावरण सुधार, एसएचजी महिला समूह, अल्पसंख्यक समूह, युवा समूह के क्रिया कलाप, निर्मल ग्राम पुरस्कार, नागरिक विशेष रूप से सीमांत वर्ग जैसे विकलांग, एचआईवी, यौन कमिन्यों, कुष्ठ रोगियों, बाल श्रमिकों के जीवन को सुधारने के लिए हुए कार्य को भी देखा गया। जिला पंचायत में जनता को सामाजिक और स्थानीय मुद्दों के संबंध में जानकारी देने में की गई पहल की भी समीक्षा हुई। इसके साथ ही जन समस्याओं के निराकरण के साथ ही सूचना अधिकार अधिनियम के तहत आए आवेदन और उनके निराकरण की स्थिति को भी महत्व दिया गया। बीते दिनों टीम ने कार्यों की स्थलीय जांच की थी।

सोनभद्र व भदोही के ध्यानार्थ भूमाफिया व आपराधिक छवि के लोगों पर करें कड़ी कार्रवाई : आयुक्त

मीरजापुर। आयुक्त विध्याचल मंडल योगेश्वर राम मिश्र ने कानून-व्यवस्था, राजस्व वसूली एवं शासन की प्राथमिकता वाले विकास कार्यो की बिदुवार समीक्षा की। उन्होंने कहा कि भूमाफिया व आपराधिक छवि के लोगों को चिहित करके कड़ी कार्रवाई करें। स्कूल खुल गए हैं, महिला कालेज व बालिका विद्यालय के आसपास एंटी रोमियो टीम को सक्रिय करें। राजस्व वसूली में लक्ष्य के सापेक्ष माहवार रणनीति बनाकर वसूली में प्रगति लाएं। अधिकारी कर्मचारी कार्यालय में समय से उपस्थित होकर कार्यों एवं जन समस्याओं का निस्तारण करें। बुधवार को आयुक्त सभागार में मंडलीय अधिकारियों के साथ बैठक में आयुक्त ने कहा कि आगामी 100 दिन के कार्य योजना बनाकर खनन माफिया, भूमाफिया, वन माफिया, शराब माफिया सहित अन्य आपराधिक लोगों को चिहित करते हुए तत्काल कार्रवाई करें। किसी भी स्थिति में गरीब व झुग्गी, झोपड़ी वालों को अनावश्यक परेशान न किया जाए। सोनभद्र एवं मीरजापुर मीरजापुर प्रवीण लक्षकार, सोनभद्र चंद्र विजय सिंह, भदोही आर्यका अखौरी, एसपी मीरजापुर अजय सिंह, सीडीओ मीरजापुर श्रीलक्षमी वीएस, संयुक्त विकास आयुक्त सुरेश चन्द्र मिश्र ने बिदुवार

छवि के लोगों को चिहित करके कड़ी कार्रवाई करें। स्कूल खुल गए हैं, महिला कालेज व बालिका विद्यालय के आसपास एंटी रोमियो टीम को सक्रिय करें। राजस्व वसूली में लक्ष्य के सापेक्ष माहवार रणनीति बनाकर वसूली में प्रगति लाएं। अधिकारी कर्मचारी कार्यालय में समय से उपस्थित होकर कार्यों एवं जन समस्याओं का निस्तारण करें। बुधवार को आयुक्त सभागार में मंडलीय अधिकारियों के साथ बैठक में आयुक्त ने कहा कि आगामी 100 दिन के कार्य योजना बनाकर खनन माफिया, भूमाफिया, वन माफिया, के तहसील मड़िहान व लालगंज में वन क्षेत्र पर कतिपय शिकायतें मिलती है। भदोही में जमीन को लेकर शिकायत मिल रही है, ऐसे लोगों को चिहित करके कार्रवाई करें। वन क्षेत्र में अवैध कब्जे तथा चकरोड, सरकारी नालियों, ग्राम समाज की जमीन पर अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई करें। उप पुलिस महानिरीक्षक आरके भारद्वाज ने कहा कि कार्रवाई बड़े माफिया पर की जाए। कानून एवं शांति व्यवस्था में खलल डालने वालों को शक्ति से निपटें। जिलाधिकारी रिपोर्ट प्रस्तुत की। प्रधानमंत्री आवास शहरी की समीक्षा में बताया कि मीरजापुर में 118.62, भदोही में 96.90 व सानेभद्र में 96.86 प्रतिशत आवासों के निर्माण कार्य पूर्ण हैं। विद्युत विभाग की समीक्षा में सरकारी विभागों के विद्युत बिल वसूली प्रतिशत जनपद मीरजापुर में 30.40, भदोही में 128.83 तथा सोनभद्र में 142.22 प्रतिशत हैं। सीएमओ को निर्देश दिया कि अस्पताल में चिकित्सक व दवाओं की उपलब्धता बनाए रखें।

मिलावटी शराब बनाते तीन गिरफ्तार

चुनार। सक्तेशगढ़ चौकी के लालपुर गांव में अवैध रूप से मिलावटी शराब बनाते हुए तीन आरोपितों को पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने बुधवार को गिरफ्तार कर जेल

भेज दिया। आरोपितों के पास से तीन प्लास्टिक के बड़े गैलन में लगभग 120 लीटर स्प्रिट, नकली ब्लू लाइम ब्रांड की 10 शीशी दो सौ एमएल, 200 एमएल की 45 खाली शीशी, नकली क्यूआर कोड का एक बंडल, 599 नकली साबूत ढक्कन, एक मोबाइल बरामद किया गया है। प्रभारी निरीक्षक गोपाल प्रसाद गुप्त ने बताया कि मंगलवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे कोठिलवा तिराहे पर चौकी प्रभारी सक्तेशगढ़ जेपी राय, आबकारी निरीक्षक कुंवर विशाल भारतीय क्षेत्र में अवैध बिक्री की जा रही शराब की रोकथाम अभियान के क्रम में भ्रमण कर रहे थे। सूचना मिली कि लालपुर गांव में दिनेश कुमार सोनकर अपने घर में मिलावटी शराब बना रहा है। पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम दिनेश कुमार सोनकर के घर दबिश दी। यहां कमरे में तीन व्यक्ति मिलावटी शराब को शीशी में भर रहे थे। आरोपित दिनेश कुमार सोनकर, सुरेश जायसवाल निवासी ग्राम रामपुर, अवधेश सिंह निवासी बलुआ बजाहुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया। टीम में रणजीत राय, मृत्युजय सिंह, सुनील कुमार, प्रदीप कुमार राय, किशोर यादव, सर्वेश कुमार दुबे, राम आशीष सिंह थे।

मुंबई इंडियंस बदलाव के दौर से गुजर रही है, हर टीम इससे गुजरती है- बुमराह

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में 5 बार की टूर्नामेंट विजेता मुंबई इंडियंस की शुरुआत बेहद खराब रही है। पहले चार में से चारों मुकाबलों में टीम को लगातार हार मिली। अब उसे

वापसी करने की उम्मीद है और टीम के उप कप्तान जसप्रीत बुमराह ने कहा कि टीम नई है और बदलाव के दौर से गुजर रही है इसी वजह से सही कॉम्बिनेशन तलाश करने में वक्त लगेगा। 2022 की मेगा नीलामी का मतलब है कि यह मुंबई इंडियंस टीम बिल्कुल नए रूप में सामने आई है लेकिन इसका निर्माण पुरानी मजबूत नींव पर ही किया गया है। टीम के नए सदस्यों को कुछ और अवसर दिए गए हैं, यह टीम के लिए विकास का एक रोमांचक चरण भी है। बुमराह ने कहा, देखिए, इस प्रारूप में आपको कभी-कभी यह समझना होगा कि अलग-अलग विकेटों पर अलग-अलग परिदृश्यों में अलग-अलग मैच खेलने होते हैं, लिहाजा आप तमाम ऐसे हालात के लिए जो सबसे उपयुक्त संयोजन होता है, उसी को आजमाने की कोशिश करते हैं। बुमराह ने आगे कहा, हर टीम बदलाव के दौर से गुजरती है। हम नीलामी में गए और इस दौरान दो और नई टीमें सामने आईं। लिहाजा हमारे कई पुराने खिलाड़ी भी अलग-अलग टीमों में चले गए। बदलाव की यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसे हर क्रिकेटर समझता है और हर टीम इससे गुजरती है। हम उसी दौर में हैं; हमारे पास नया ग्रुप है। हमारे पास पुराना कोर ग्रुप भी हैं, लेकिन बहुत सारे नए लोग जो टीम को समझने की कोशिश कर रहे हैं, फ्रैंचाइज़ी को समझ रहे हैं, समझ रहे हैं कि अलग-अलग परिदृश्य में कैसे काम करते हैं। हमारी टीम में भी कई नए युवा खिलाड़ी हैं। भविष्य की प्रतिभाएं हैं। तो आईपीएल के फॉर्मेट को समझते हुए आपको किस तरह से दबाव को झेलना है और इस लीग में सफलता हासिल करनी है, हम इसी दौ से गुजर रहे हैं। हम इसका आनंद ले रहे हैं। हर खिलाड़ी इस हालात से गुजरा है, लिहाजा हम बदलाव के इस दौर को पार करने की कोशिश में जुटे हैं। एक समय ऐसा भी आएगा जब हमारे पास सभी खिलाड़ी होंगे, जो हमारे साथ थे। तो फिर ऐसे में क्वालिटी हमारी टीम में अपने आप लौट आएगी।ङ्क

मुंबई के नाम दूसरी बार जुड़ा लगातार 5 मैच हारने का शर्मनाक रिकार्ड ये सभी टीमें भी लिस्ट में शामिल

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वां सीजन पांच बार की ट्राफी विजेता मुंबई इंडियंस के लिए बुरा सपना साबित हो रहा है। पहली पांच मैच में टीम को अब तक हार मिल चुकी है। उसे बुधवार को पंजाब

किंग्स के खिलाफ अपनी पहली जीत की आस थी क्योंकि टास कप्तान रोहित ने जीता था। गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन ने पंजाब को मौका दिया और उन्होंने 198 रन का स्कोर खड़ा कर दिया। रोहित की कप्तानी वाली टीम के लिए हार का सिलसिला खत्म होता नजर नहीं आ रहा। कप्तान का बल्ला चल नहीं रहा और टीम को हार पर हार मिल रही है। पंजाब के खिलाफ मुंबई को 12 रन की हार मिली और टीम के हार की संख्या पांच हो गई। पहले मैच में मुंबई की टीम को दिल्ली से हाल मिली थी। इसके बाद राजस्थान ने उसे पीटा और फिर कोलकाता के हाथों भी शर्मनाक हार मिली। बैंगलोर के खिलाफ मुंबई को तीन लगातार हार का सिलसिला खत्म करने की उम्मीद थी लेकिन यहां भी उसे निराशा मिली। बुधवार को पंजाब के खिलाफ मिली हार टूर्नामेंट में उसकी चौथी हार रही। साल 2014 में भी उसे ऐसे ही पहले पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि टीम ने वापसी करते हुए नाक आउट तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की थी। टीम के फैंस इसी तरह से प्रदर्शन की उम्मीद दोबारा से कर रहे होंगे। साल 2012 में डेक्कन चार्जर्स (अब टूर्नामेंट का हिस्सा नहीं) की टीम ने लगातार पांच मैच में मात खाई थी। 2013 में यही हाल दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) का रहा था। मुंबई की टीम को साल 2014 में भी लगातार पांच मुकाबले में हार मिली थी। साल 2019 में विराट कोहली की कप्तानी वाली रायल चैलेंजर्स बैंगलोर को भी पहले पांच मैच में हार का सामना करना पड़ा था। अब 2022 में रोहित शर्मा जिसने टीम को पांच बार आइपीएल का खिताब दिलाया उनको नाम दूसरी बार पहले पांच मैच हारने का शर्मनाक रिकार्ड जुड़ गया है।

पंजाब के खिलाफ मैच में रोहित बना सकते हैं ये खास रिकार्ड, कोहली के बाद ऐसा करने वाले दूसरे भारतीय

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 23वें मैच में जब पंजाब के सामने मुंबई की टीम उतरेगी तो उसके सामने पिछले चार मैच में हुई गलतियों को भूलकर एक नए सिरे से शुरुआत करने की जिम्मेदारी होगी। टीम के साथ-साथ कप्तान रोहित शर्मा के लिए भी ये मैच बेहद खास होने वाला है। इस मैच में कई ऐसे रिकार्ड हैं जिन्हें रोहित हासिल कर सकते हैं। वे टी20 क्रिकेट में 10,000 रन पूरा करने

से महज 25 रन पीछे हैं। यदि उनके बल्ले से इस मैच में रन निकलता है तो वो न केवल उनकी टीम के लिए बल्कि उनके लिए भी फायदेमंद साबित होगी। वे विराट कोहली के बाद दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन जाएंगे जिनके नाम टी20 क्रिकेट में 10,000 रन हैं। वर्ल्ड क्रिकेट की बात करें तो वे ऐसा करने वाले 7वें बल्लेबाज बन जाएंगे। इतना ही नहीं रोहित के बल्ले से आइपीएल में अर्धशतक निकले हुए 12 इनिंग्स का लंबा वक्त हो गया है जिसे वो पंजाब के खिलाफ दूर करना चाहेंगे। हालांकि ये आसान नहीं होगा क्योंकि आइपीएल 15 का सीजन उनके और उनकी टीम के लिए अच्छा नहीं रहा है। जहां एक तरफ अब तक खेले गए 4 मैचों में टीम को हार का सामना करना पड़ा है तो वहीं रोहित का बल्ला भी खामोश रहा है। 4 मैचों में उन्होंने 20 की औसत और 125 की स्ट्राइक रेट से केवल 80 रन बनाए हैं। पंजाब के खिलाफ रोहित का बल्ला खूब बोलता है। पंजाब के खिलाफ उन्होंने 7 अर्धशतकीय पारी खेली है जिसमें उनका सर्वाधिक 79 रनों का स्कोर भी शामिल है। दोनों टीमों के बीच हेड-टू-हेड मुकाबलों की बात करें तो आंकड़े भी मुंबई का साथ दे रही है। दोनों टीमों ने अब तक 28 मैच खेले हैं जिसमें से 15 मैचों में मुंबई ने जबकि 13 मैचों में बाजी पंजाब ने मारी है। लेकिन 2019 के बाद से ये आंकड़े 3-3 की बराबरी पर है जिसे मुंबई की टीम बदलना चाहेगी।

चेन्नई की पहली जीत से अंक तालिका में हुआ बदलाव, जानें कौन सी टीम किस स्थान पर है

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन में सभी टीमों ने 4 या इससे अधिक मैच खेल लिए हैं। 10 टीमों के बीच चल रही एक ट्राफी पाने की जंग अब धीरे धीरे और भी रोमांचक हो रही है। चेन्नई ने आरसीबी के खिलाफ अपने जीत का खाता खोल लिया

है जबकि मुंबई को अब भी जीत का इंतजार है। मंगलवार को खेले गए मैच में चेन्नई की टीम ने अपना पहला मुकाबला जीत लिया है। उसने आरसीबी की टीम को 23 रनों से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। राजस्थान चार मैचों में तीन जीत के साथ टाप पोजिशन पर बना हुआ है। वहीं कोलकाता को दिल्ली से मिली हार ने उसे दूसरे स्थान पर धकेल दिया। इस टीम के पास 5 मैच में 3 जीत से 6 अंक हैं। तीसरे स्थान पर नई टीम लखनऊ का कब्जा है जिसके खाते में 5 मैचों में 3 जीत है। हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मुकाबले में गुजरात की टीम को पहली हार का सामना करना पड़ा है जिससे टीम चौथे नंबर पर खिसक गई है। चेन्नई के खिलाफ हार के बाद बैंगलोर की टीम को नुकसान हुआ है और वो 5वें स्थान पर पहुंच गई है। छठे स्थान पर 4 अंकों के साथ दिल्ली की टीम है। 7वें और 8वें नंबर पर क्रमशः पंजाब और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम है। दोनों टीमों के पास चार-चार अंक हैं। 9वें नंबर पर पहली जीत दर्ज कर चेन्नई ने अपने अंकों का खाता खोल लिया है लेकिन आइपीएल इतिहास की सबसे सफल टीम अब भी पहली जीत की तलाश में है। इस सीजन की सबसे खास बात ये है कि आइपीएल इतिहास की दो सबसे सफल टीम इस समय प्वाइंट्स टेबल में नीचे है। उम्मीद है कि दोनों टीमें जैसे-जैसे मुकाबले आगे बढ़ेंगे अपनी पोजिशन में बढ़ोतरी करेगी।

हार्दिक के सामने होंगे संजू सैमसन राजस्थान और गुजरात के बीच दिलचस्प मुकाबले की उम्मीद

मुंबई। हार्दिक पांड्या की गुजरात टाइटंस और संजू सैमसन की अगुआई वाली राजस्थान रायल्स के बीच गुरुवार को होने वाला आइपीएल मुकाबला दिलचस्प होने की उम्मीद है, जिसमें दोनों के पास गेंदबाजी आक्रमण में पैनापन है। राजस्थान का इस सत्र में गेंदबाजी आक्रमण सर्वश्रेष्ठ में से एक रहा है जिसमें उनके सभी स्पिनरों और तेज गेंदबाजों ने सटीक प्रदर्शन किया है। अनुभवी ट्रेंट बोल्ट का नई गेंद से दमदार प्रदर्शन जारी है और

वह स्लाग ओवर में भी इतने ही प्रभावशाली रहे हैं। लखनऊ सुपरजाइंट्स के खिलाफ पिछले मैच में उनका शुरुआती स्पैल कातिलाना रहा, जिसमें उन्होंने पहले ही ओवर में कप्तान लोकेश राहुल और कृष्णप्पा गौतम के विकेट झटक लिए। प्रसिद्ध कृष्णा ने भी झलक दिखाई कि उन्हें भारतीय क्रिकेट की अगली तेज गेंदबाजी सनसनी के रूप में क्यों देखा जा रहा है। बोल्ट के साथ दोनों ने रफ्तार और आक्रामकता के साथ गेंदबाजी की है। वहीं नए खिलाड़ी कुलदीप सेन ने भी साबित किया कि वह भी बड़े खिलाडियों के साथ खेलने का माद्दा रखते हैं। अपने पदार्पण मैच में उन्होंने काफी दबाव में गेंदबाजी की और लखनऊ के खिलाफ अंतिम ओवर में 15 रन का बचाव किया। स्पिन विभाग की जिम्मेदारी सीनियर भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और युजवेंद्रा सिंह चहल के कंधों पर है। चहल इस समय लीग के इस सत्र में सर्वाधिक विकेट चटकाने वाले गेंदबाज हैं, इस लेग स्पिनर ने 6.50 के इकोनमी से 11 विकेट चटकाए हैं। अश्विन हालांकि ज्यादा विकेट नहीं झटक सके हैं, लेकिन इस आफ स्पिनर ने विपक्षी टीम की रन गति पर लगाम लगाई है और उनकी इकोनमी 6.87 रही है। गुजरात टाइटंस के कम अनुभव रखने वाले बल्लेबाजों के लिए राजस्थान रायल्स की गेंदबाजी से निपटना कड़ी चुनौती होगी। यह नई टीम बल्लेबाजी में अपने युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल और पांड्या पर काफी निर्भर रही है। गिल शानदार फार्म में चल रहे हैं, लेकिन तेजी से रन जुटाने के लिए मशहूर कप्तान बल्लेबाजी में ज्यादा सतर्क दिख रहे हैं और उनकी कोशिश पारी को गहराई देने की दिख रही है। मैथ्यू वेड रन जुटाने में जूझ रहे हैं, जबकि डेविड मिलर का धमाल दिखाना बाकी है जिससे नए खिलाड़ियों अभिनव मनोहर और बी साई सुदर्शन को अधिक जिम्मेदारी से खेलना होगा। हालांकि राहुल तेवतिया फिनिशर की अपनी भूमिका का लुत्फ उठाते दिख रहे हैं और इच्छानुसार छक्के जड़ रहे हैं। गुजरात की खुद की गेंदबाजी इकाई काफी मजबूत है। तेज गेंदबाजी विभाग में लाकी फर्ग्यूसन शामिल हैं जो विश्व क्रिकेट के सबसे तेज गेंदबाजों में शुमार हैं। उनके अलावा भारतीय तेज गेंदबाज मुहम्मद शमी और पांड्या सभी विकेट झटकने वाले गेंदबाज हैं जो प्रतिद्वंद्वी टीम को दबाव में रख सकते हैं। राशिद खान उम्मीद के अनुरूप उनके सबसे किफायती गेंदबाज रहे हैं। प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाज उनके चार ओवर में कोई बड़ा शाट लगाने के बजाय इन्हें जल्दी से जल्दी खत्म होने को तरजीह देते हैं। गुजराज टाइटंस के गेंदबाजों में हालांकि सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली हार में पैनेपन की कमी दिखी, जो इस सत्र में उनकी पहली हार थी। यह देखना दिलचस्प होगा कि वे राजस्थान रायल्स के बल्लेबाजी क्रम के खिलाफ किस तरह एकजुट होते हैं जिसमें विस्फोटक जोस बटलर, शिमरोन हेटमायर और सैमसन के अलावा प्रतिभाशाली देवदत्त पडीक्कल शामिल हैं। संजू सैमसन (कप्तान), जोस बटलर, यशस्वी जायसवाल, शिमरोन हेटमायर, रविचंद्रन अश्विन, युजवेंद्रा सिंह चहल, प्रसिद्ध कृष्णा, रियान पराग, नाथन कूल्टर नाइल, देवदत्त पडीक्कल, नवदीप सैनी, करुण नायर, रासी वेन डेर डुसैन, जेम्स नीशाम, अनुनय सिंह, डेरिल मिशेल, ध्रुव जुरेल, शुभम गरहवाल, कुलदीप यादव, कुलदीप सेन, ओबेड मैकाय, तेजस बरोका और केसी करियप्पा। हार्दिक पांड्या (कप्तान), राशिद खान, शुभमन गिल, मुहम्मद शमी, लाकी फर्ग्यूसन, अभिनव मनोहर, राहुल तेवतिया, नूर अहमद, साई किशोर, विजय शंकर, जयंत यादव, डोमिनिक ड्रेक्स, दर्शन नालकंडे, यश दयाल, अल्जारी जोसेफ, प्रदीप सांगवान, डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा ।

मुंबई की लगातार पांचवीं हार, पंजाब ने 12 रन से जीता मुकाबला.....

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग के 15वें सीजन के 23वें मुकाबले में मुंबई इंडियंस का सामना पंजाब किंग्स के साथ हुआ। महाराष्ट्र क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में हो रहो इस मुकाबले में मुंबई के कप्तान रोहित शर्मा ने टास जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। ओपनर

शिखर धवन के धमाकेदार 70 और कप्तान मयंक के तूफानी 52 रन के दम पर टीम ने 20 ओवर में 5 विकेट पर 198 रन का स्कोर खड़ा किया। जवाब में मुंबई की टीम 186 रन ही बना पाई। यह टीम की टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं हार है। अब तक रोहित शर्मा की टीम को पहली जीत का इंतजार है। 199 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी मुंबई को पहला झटका कप्तान रोहित शर्मा के रूप में लगा। 28 रन बनाकर कगिसो रबादा की गेंद पर वैभव अरोड़ा को कैच दे बैठे। इसके ठीक बाद 3 रन के स्कोर पर इशान किशन अभी अपना विकेट गंवा बैठे। दो विकेट गिरने के बाद डेवाल्ड ब्रेविस और तिलक वर्मा ने पारी को संभाला। दोनों ने ताबड़तोड़ रन बरसाते हुए 10 ओवर में स्कोर 100 रन के पार पहुंचा दिया। महज 25 गेंद पर 5 छक्के और 4 चौके जमाते हुए 49 रन तक पहुंचने वाले ब्रेविस को अर्शदीप ने ओडीन स्मिथ के गेंद पर कैच किया। अच्छी लय में नजर आ रहे तिलक वर्मा 36 रन बनाने के बाद रन आउट होकर वापस लौटने को मजबूर हो गए।अनुभवी कीरोन पोलार्ड मिस फील्डिंग पर रन चुराने के चक्कर में रन आउट होकर वापस लौटे। इसके बाद सूर्यकुमार यादव ने कुछ अच्छे शाट लगाकर टीम को मैच में बनाए रखा। लेकिन 43 रन पर रबादा ने उनको स्मिथ के हाथों कैच करवा पंजाब को बड़ी सफलता दिलाई। इसके बाद नीचले क्रम के बल्लेबाज स्कोर के करीब जाने की कोशिश में लगे रहे लेकिन टीम करीब पहुंचकर भी जीत नहीं पाई।

पता नहीं आइपीएल खेलने वाले खिलाड़ी टीम में चुने जाएंगे या नहीं, साउथ अफ्रीका के कप्तान का बयान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग दुनिया की सबसे पापुलर क्रिकेट लीग में गिनी जाती है। इस टी20 टूर्नामेंट में दुनियाभर से खिलाड़ी खेलने आते है और कई तो अपनी राष्ट्रीय टीम के लिए सीरीज से ब्रेक लेकर और अपने क्रिकेट बोर्ड से खास अनुमति के साथ इस लीग में खेलने पहुंचते हैं। साउथ अफ्रीका क्रिकेट उस वक्त बांग्लादेश के साथ टेस्ट सीरीज खेल रही थी जब उसके कुछ स्टार खिलाड़ी आइपीएल में खेलने पहुंचे। टेस्ट कप्तान ने इशारों में ही संकेत दिए हैं कि उनपर इस वजह से कुछ एक्शन जरूर लिया जा सकता है। दक्षिण अफ्रीका की टेस्ट टीम के कप्तान डीन एल्गर का कहना है कि उन्हें नहीं पता कि बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज की जगह आइपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) को प्राथमिकता देने वाले खिलाड़ियों को दोबारा राष्ट्रीय टीम में जगह मिलेगी या नहीं। दक्षिण अफ्रीका ने हाल ही में घरेलू टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2-0 से हराया था। इस सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी की टीम अपने कई मुख्य खिलाड़ियों के बिना ही खेल रही थी। दक्षिण अफ्रीका के कई स्टार खिलाड़ी टेस्ट सीरीज को छोड़कर आइपीएल खेलने के लिए भारत चले गए थे।

सीरीज होने से पहले ही एल्गर ने मुख्य खिलाड़ियों से टेस्ट क्रिकेट को प्राथमिकता देने का अनुरोध किया था। हालांकि, दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट बोर्ड द्वारा अनुमति मिलने के बाद ही सभी खिलाड़ियों ने टेस्ट सीरीज को छोड़कर आइपीएल में जाने का फैसला लिया था। एल्गर ने बांग्लादेश के खिलाफ दूसरा टेस्ट जीतने के बाद एक बयान दिया था जो ट्विटर पर वायरल है। एल्गर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि जिन खिलाड़ियों ने टेस्ट सीरीज छोड़ी थी उन्हें दोबारा टीम में चुना भी जाएगा या नहीं। यह मेरे हाथ में नहीं है।' बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका को कैगिसो रबादा, माकी जेनसेन, लुंगी नगिदी, एनरिक नाखिऱ्या, रासी वान डेर डुसेन और एडेन मारक्रम जैसे खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिली थी क्योंकि इन खिलाड़ियों ने आइपीएल खेलने को प्राथमिकता दी थी।

राशिफल

मेष-: इसे दबाने से आपकी शारीरिक परेशानी बढ़ सकती है। शारीरिक गतिविधि बढ़ाकर इससे छुटकारा पाएं। बुरे हालात से दूर रहने में ही भलाई है।

वृष-: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य को पूरा करने में आ रही बाधाएं आज दूर होंगी। आज का दिन किसी मित्र की मदद करेगा जो भविष्य में आपकी मदद कर सकता है।

मिथुन-: आप असमंजस की स्थिति से निपटने के प्रयास में सफल हो सकते हैं. यदि आप धैर्य और प्रयास के बीच संतुलन रखते हैं, तो अधिकांश समस्याओं का समाधान किया जा सकता है।

कर्क-: आज आपके कुछ छिपे हुए विरोधी आपको गलत साबित करने की पूरी कोशिश करेंगे. आपको आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। के साथ सावधानीपूर्वक काम करेंगे।

सिंह-: आभूषण और प्राचीन वस्तुओं में निवेश लाभकारी रहेगा और समृद्धि लाएगा. विदेश में रहने वाले किसी रिश्तेदार से मिला उपहार आपको खुशी दे सकता है।

कन्या-: आज का दिन आपके लिए खास रहेगा. आज अपना व्यवहार लचीला रखें और दूसरों की बातों को समझने का प्रयास करें। इससे आपको भविष्य में ही फायदा होगा।

तुला-: अविवाहित लोगों की लव लाइफ अच्छी रह सकती है. शादीशुदा लोगों को भी पार्टनर की मदद मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे।

वृश्चिक-: आज आपके कई काम समय पर पूरे होंगे. कुछ नया करने की कोशिश करने के लिए आज का दिन बहुत अच्छा है। तनाव खत्म होने से आपके काम की गति में वृद्धि होगी।

धनु-: बच्चे खेलकूद और अन्य बाहरी गतिविधियों में अधिक समय व्यतीत करेंगे। आपको अपनी हार से कुछ सबक सीखने की जरूरत है, क्योंकि दिल की बात कहने से नुकसान भी हो सकता है।

मकर-: आज शादीशुदा हैं तो जीवनसाथी को अधिक समय देंगे तो दोनों के संबंधों में मधुरता बढ़ेगी. शाम तक किसी फंक्शन में जाने का भी प्लान बना सकते हैं।

कुंभ-: नौकरीपेशा और व्यापार करने वाले लोग अपने काम से संतुष्ट हो सकते हैं. वरिष्ठ अधिकारियों से भी बातचीत की संभावना है। किसी की मदद करने का मौका मिल सकता है।

मीन-: आज का दिन आपके लिए ऊर्जा से भरपूर रहेगा. व्यापार सफलता का सूत्र बनेगा। आपके मन में जल्द ही बदलाव आएंगे, जिससे आपका मन कुछ हद तक द्विभाजित रहेगा।

सम्पादकीय

भीमराव आंबेडकर के दिखाए रास्ते पर चलकर आत्मनिर्भर बनेगा भारत

अब से 25 वर्ष बाद राष्ट्र स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष में प्रवेश करेगा। मौजूदा अमृत महोत्सव राष्ट्र की विकास-गति की एक रूपरेखा प्रस्तुत करता है। हमारे पूर्वजों ने इस संबंध में अपनी स्पष्ट दूरदृष्टि को प्रस्तुत किया था, जिसके फलस्वरूप हमारी अब तक की प्रगति हुई है। नए भारत के निर्माण के इस व्यापक कार्य के परिप्रेक्ष्य में कई क्षेत्रों में बाबा साहब डा. भीमराव आंबेडकर की प्रेरणादायी दूरदृष्टि और सतर्कतापूर्ण दृष्टिकोण हमेशा एक मार्गदर्शी प्रकाश-स्तंभ के रूप में हमारे साथ है। उनकी जयंती एक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनकी समग्र भूमिका का स्मरण करने और हमारे कार्य क्षेत्रों में उनके आदर्शों का अनुकरण करने के लिए पुनः प्रेरित होने का एक उपयुक्त अवसर है। डा. आंबेडकर ने एक संस्था निर्माता के रूप में बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वर्तमान समय की संवैधानिक व्यवस्था ने उनकी बुद्धिमत्ता और ज्ञान को चारों दिशाओं में गुंजायमान किया है। वे संविधान सभा में वाद-विवाद में सबसे महत्वपूर्ण वक्ता थे। इस क्षेत्र में संपूर्ण वार्तालाप में सर्वाधिक योगदान अर्थात 7.5 प्रतिशत बाबा साहब का ही रहा, जबकि नेहरू का योगदान 2.14 प्रतिशत रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने डा. आंबेडकर के 'रुपये की समस्या-इसकी उत्पत्ति और समाधान' विषयक शोध-पत्र को अपनी कार्यप्रणाली का मूलाधार बनाया। वायसराय की कार्यकारी परिषद के लेबर मेंबर के रूप में उन्होंने जल, बिजली, श्रम कल्याण नीतियों को आकार देने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने केंद्र और राज्य के हितों को जोखिम में डाले बिना अपने आर्थिक स्तर को लगातार ऊपर उठाने के प्रयोजनार्थ केंद्र और राज्यों के बीच एक संघीय वित्तीय प्रणाली को विकसित करने में बड़ा योगदान दिया। वह श्रमिक अधिकारों के एक कट्टर पैरोकार थे। एक श्रमिक नेता के रूप में उन्होंने 'कार्य की उचित स्थिति' के बजाय 'श्रमिक के जीवन की उचित स्थिति' की हिमायत की। अन्य कल्याणकारी कार्यों यथा काम के घंटों को घटाकर प्रति सप्ताह 48 घंटे करना, ओवर टाइम और पेड लीव की व्यवस्था, न्यूनतम पारिश्रमिक का निर्धारण एवं उसकी सुनिश्चितता, श्रम कल्याण कोष तथा ट्रेड यूनियनों की स्वीकार्यता को अक्षरशः लागू किया गया। काश्तकारों के बीच दास परंपरा का उन्मूलन किया। श्रमिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए औद्योगिक विवाद विधेयक, 1938 का कड़ा विरोध किया था।

डा. आंबेडकर आधुनिक समाज में महिलाओं की प्रगतिशील भूमिका के प्रति बहुत जागरूक थे। उन्होंने स्वतंत्रता के तुरंत बाद महिलाओं के लिए मतदान अधिकार सुनिश्चित किया। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य पश्चिमी देशों ने महिलाओं को मत का अधिकार देने में एक शताब्दी से भी अधिक का समय लिया। हिंदू कोड बिल में उन्होंने महिलाओं को गोद लेने के अधिकार के साथ-साथ, विरासत का अधिकार प्रदान करने की भी वकालत की। आर्थिक कार्यबल में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए उन्होंने लैंगिक भेदभाव के बिना 'समान कार्य के लिए समान वेतन' के प्रविधानों को सुनिश्चित किया। कोयला खदानों में भूमि के अंदर कार्य करने वाली महिलाओं पर पाबंदी हटाने संबंधी विषय में सार्थक हस्तक्षेप किया। उन्होंने उन सुदृढ़ आधारभूत बातों को संस्थागत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके फलस्वरूप अब महिलाएं किसी भी क्षेत्र में किसी भी कार्य को पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं तथा हर संभव क्षेत्र में हमारे राष्ट्र को गौरवान्वित कर रही हैं। 25 नवंबर, 1949 को संविधान सभा में अपने समापन भाषण के दौरान डा. आंबेडकर ने एक व्यक्ति, एक वोट और एक मूल्य की व्यवस्था के माध्यम से राजनीतिक समानता प्राप्त करने पर संतोष की अनुभूति को व्यक्त किया। इसके बावजूद उन्होंने सामाजिक और आर्थिक मोर्चों पर संबंधित मूल्यों में मौजूदा मतभेदों के कारण आने वाले विरोधाभासों के बारे में भी आगाह किया। हालांकि, पिछले आठ वर्षों में मोदी सरकार द्वारा उठाए गए तमाम कदम इन विरोधाभासों को दूर कर रहे हैं और राष्ट्र डा. आंबेडकर की दूरदृष्टि के करीब पहुंचता जा रहा है। सरकारी कार्यक्रम सकारात्मक बदलाव लाने और विशेष रूप से सभी, वंचित और दलित वर्ग के लोगों के जीवन को सरल और सहज बनाने की दिशा में कार्यरत हो रहे हैं। गरीब समर्थित कल्याण योजनाओं जैसे कि मुद्रा स्कीम, एकलव्य माडल आवासीय स्कूल निर्माण स्कीम, प्रधानमंत्री आवास, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, स्वच्छ भारत अभियान आदि का क्रियान्वयन होने से लोगों के जीवन का स्तर बढ़ रहा है। पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति स्कीम में चार करोड़ अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा सुविधा प्रदान करने की व्यवस्था की गई है।

हिंदी को अंग्रेजी की जगह देश की संपर्क भाषा बनने की क्षमता

तत्कालीन मद्रास प्रांत में हिंदी को लागू करने के विरोध की जो राजनीति शुरू हुई, वह अब तक जारी है। इसी विरोध की आड़ में हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा के तौर पर स्थापित करने के गांधी जी के विचार को तिलांजलि दे दी गई। उसके बाद जब भी हिंदी को अंग्रेजी की जगह देश की संपर्क भाषा बताने की बात होती है, तब विशेषकर दक्षिण भारत के तमिलनाडु से राजनीतिक विरोध शुरू हो जाता है। गत दिनों केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने राजभाषा संसदीय समिति की बैठक में हिंदी को अंग्रेजी की जगह संपर्क भाषा के तौर पर अपनाने की बात क्या कही, एक बार फिर पहले की ही तरह हिंदी का विरोध शुरू हो गया है। हिंदी विरोध की इस राजनीति को मोदी विरोध के हथियार के तौर पर भी स्वीकार कर लिया गया है। अगर ऐसा नहीं होता तो इसमें कर्नाटक के कांग्रेसी नेता सिद्धरमैया भी शामिल नहीं होते। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी इसका विरोध कर रही हैं। अमित शाह ने जो कहा, वह हिंदी के संदर्भ में भारत का सच है। इस सच को देखने के लिए उस श्रीलंका की तरफ देखना होगा, जहां की हर घटना का असर तमिलनाडु की राजनीति और जनजीवन पर पड़ता है। श्रीलंका में हिंदी किस कदर स्थान बना चुकी है, इसे समझने के लिए वहां इन दिनों जारी विरोध-प्रदर्शनों की मीडिया रिपोर्टिंग को देखा जाना चाहिए। वहां रिपोर्टिंग करने पहुंचे भारतीय हिंदी टीवी चैनलों के संवाददाता स्थानीय लोगों से हिंदी में सवाल पूछ रहे हैं और श्रीलंका के लोग हिंदी में ही जवाब भी दे रहे हैं। बंगाल के चुनावों में भाजपा से दो-दो हाथ करते हुए ममता बनर्जी ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की परंपरा को भी अपना हथियार बनाया था, लेकिन हिंदी का विरोध करते वक्त वह उनकी कोशिशों को भूल गईं। सुभाष बाबू कहा करते थे कि जनता के साथ राजनीति हिंदी के जरिये ही हो सकती है। कांग्रेस का अध्यक्ष बनने के बाद हिंदी में सहज तरीके से काम करने में दिक्कत न हो, इसके लिए उन्होंने हिंदी सीखी थी। ऐसे में ममता के विरोध का कोई तुक समझ में नहीं आता। गांधी जी के बाद हिंदी की मजबूत आवाज लोहिया थे। उन्होंने अंग्रेजी हटाओ अभियान चलाया था। आज के तमाम समाजवादी नेता उसी आंदोलन की उपज हैं। उत्तर प्रदेश में जब 1989 में मुलायम सिंह मुख्यमंत्री बने तो उन्होंने

राज्यों के बीच संपर्क भाषा के तौर पर हिंदी को अपनाने की कोशिश के तहत तमिलनाडु को हिंदी में चिट्ठी भेजी थी। उस चिट्ठी के साथ तमिल अनुवाद भी था, लेकिन वहां के तत्कालीन मुख्यमंत्री एम करुणानिधि ने उस योजना को पलीता लगा दिया था। उसके बाद मुलायम पस्त पड़ गए। इन संदर्भों में देखें तो अमित शाह कहीं ज्यादा गंभीरता से हिंदी की बात कर रहे हैं और हिंदी को उसका वाजिब सम्मान दिलाने के लिए कोशिश कर रहे हैं। हिंदी विरोध की परंपरा हमारी राजनीति में शुरू से ही रही है। गांधी जी चाहते थे कि भारत से किसी भी तरह अंग्रेजियत चली जाए। अव्वल तो होना यह चाहिए था कि गांधी जी के इस सोच के मुताबिक हिंदी भारत की संपर्क भाषा होती, लेकिन हिंदी थोपने की कथित कोशिशों के खिलाफ उठने वाली आवाजों के भय से हिंदी को उसका वाजिब हक और सम्मान दिलाना टलता रहा। भारतीय राजनीति इस सवाल को भविष्य के हाथ में टालती रही। यह बात और है कि बाजार लगातार हिंदी को ताकतवर बनाता रहा। बाजार की ताकतों का दबाव ही है कि अब तमिलनाडु की वह पीढ़ी भी हिंदी न सीख पाने के लिए अफसोस जताती है, जो अंग्रेजी हटाओ आंदोलन की प्रतिक्रिया में हिंदी विरोध की ज्वाला से झुलसती रही। हिंदी की क्षमता को बाजार ने समझा तो अब गैर हिंदी भाषी राज्यों के युवा भी हिंदी सीखने लगे हैं। उस तमिलनाडु के नेता भी यह स्वीकार करने लगे हैं कि अगर उन्हें अखिल भारतीय छवि प्राप्त करनी है तो हिंदी आनी चाहिए। वर्ष 1996 के आम चुनावों में कांग्रेस की हार और लोकसभा के त्रिशंकु नतीजों के बाद तत्कालीन तमिल मनिला कांग्रेस के नेता जीके मूपनार तब प्रधानमंत्री पद के प्रमुख दावेदार बनकर उभरे थे, लेकिन उनकी राह में हिंदी न बोल पाना रोड़ा बनकर उभर आया था। जिसके बाद दूसरे गैर हिंदी भाषी एचडी देवेगौड़ा प्रधानमंत्री बने और उन्होंने भी सायासिक ढंग से हिंदी बोलने की कोशिश की। हिंदी की यह सहज स्वीकार्यता ही है कि पूवरेत्तर भारत की बोडो, जेमी, किरबुक समेत आठ भाषाओं ने देवनागरी लिपि को स्वीकार कर लिया है। गांधी जी के रचनात्मक शिष्य विनोबा भावे ने 1972 में कहा था, 'देवनागरी लिपि हिंदुस्तान की सब भाषाओं के लिए चले तो हम सब लोग बिल्कुल नजदीक आ जाएंगे। खासतौर से दक्षिण की भाषाओं को देवनागरी लिपि का लाभ होगा। वहां की चार भाषाएं- तेलुगु, कनन्ड़, तमिल, मलयालम अत्यंत नजदीक हैं। इनमें संस्कृत शब्दों के अलावा इनके अपने जो प्रांतीय शब्द हैं, उनमें भी बहुत से शब्द समान हैं। वे शब्द देवनागरी लिपि में अगर आ जाते हैं तो दक्षिण भारत की चारों भाषाओं को लोग 15 दिन में सीख सकते हैं।' विनोबा जी की कोशिश उनके जीते-जी भले ही सफल नहीं हुई, लेकिन अब वह साकार होती नजर आ रही है। यह हिंदी ही नहीं, सभी भारतीय भाषाओं के बीच एकता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। अमित शाह के बयान के बाद हिंदी विरोधी लोगों ने एक तर्क दिया है कि संविधान सभा में हिंदी को लेकर तीखी बहस हुई थी, लेकिन यह अर्धसत्य है। यह सच है कि हिंदी का समर्थन हिंदीभाषी सदस्यों की तुलना में गैर हिंदी भाषी सदस्यों ने ज्यादा किया था। हिंदी पर अमित शाह के बयान को इन तथ्यों के संदर्भ में ही देखा जाना चाहिए। बेवजह इसे राजनीति का विषय बनाना हिंदी ही नहीं, उन युवाओं का भी प्रतिकार है, जो आर्थिकी केंद्रित विश्व व्यवस्था से कदमताल करते हुए अपना और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देना चाहते हैं।

प्रखर होते बाबा साहब से जुड़े प्रतीक, नई राजनीतिक गोलबंदी का केंद्र बने आंबेडकर

आज हम बाबा साहब भीमराव आंबेडकर की 131वीं जयंती मना रहे हैं। इस अवसर पर सार्वजनिक जीवन से जुड़े कई वर्ग विभिन्न मंचों के माध्यम से उन्हें स्मरण कर रहे हैं। जैसे-जैसे समाज शिक्षित एवं जागरूक हुआ है, वैसे-वैसे बाबा साहब के व्यक्तित्व, कृतित्व एवं संदेशों की स्वीकार्यता बढ़ी है। यह सुखद है कि बाबा साहब का नायकत्व अब किसी जाति, धर्म एवं प्रांत की सीमाओं में बंधा न रहकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभर रहा है। भारत के अलावा अमेरिका, इंग्लैंड, कनाडा और नीदरलैंड जैसे देशों में भी उनकी जयंती मनाई जाने लगी है। इन देशों में रह रहे भारतवंशी उन्हें स्मरण करते हैं। उनसे जुड़े तमाम कार्यक्रमों की सूचना आपको इंटरनेट मीडिया के विभिन्न मंचों पर सहजता से मिल जाएगी। समय के साथ राजनीतिक परिदृश्य में भी आंबेडकर की पैठ बढ़ी है। दक्षिणपंथी, वामपंथी और मध्यमार्गी सभी अपने-अपने स्तर पर उन्हें आत्मसात कर रहे हैं। सभी उन्हें अपने-अपने रंग में ढालने में लगे हैं। किसी का रंग नीला है, किसी का लाल और किसी का भगवा। उत्तर प्रदेश में आपको आंबेडकर की प्रतिमाएं काफी संख्या में मिलेंगी। यहां गांव, कस्बों और शहरों में उनकी प्रतिमाएं लगी हैं। इन मूर्तियों में भी बाबा साहब के कोट का रंग भी कहीं नीला, कहीं काला और कहीं केसरिया दिखता है। यदि हाल के वर्षों में बाबा साहब की स्मृतियों पर भगवा रंग चटख हुआ है तो

इसके पीछे भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कई संगठनों की अहम भूमिका रही है। भाजपा और संघ के अन्य संगठन बाबा साहब के प्रतीकों एवं संदेशों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने के लिए कई आयोजन करने में लगे हैं। भाजपा बाबा साहब की याद में राष्ट्रीय स्तर पर 'सामाजिक न्याय सप्ताह' मना रही है। इसके अंतर्गत वह तमाम कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को बाबा साहब के मिशन को पूरा करने के लिए किए जा रहे अपने प्रयासों के बारे में बता रही है। जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 14 अप्रैल को ही नई दिल्ली में पीएम म्यूजियम का उद्घाटन करने जा रहे हैं तो वहीं उत्तर प्रदेश सरकार 14 अप्रैल से राज्य में कई जिलों में 'दलित मित्र' कार्यक्रम शुरू करने जा रही है। इसके तहत गोष्ठियां, सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्र प्रदर्शन आदि माध्यमों से गरीब एवं दलित कल्याण के प्रति सरकार के प्रयासों के प्रति जनता को जागरूक बनाया जाएगा। यह अभियान चार महीने चलेगा। इसमें दलित महापुरुषों को केंद्र में रखकर अनेक आयोजन किए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं इस कार्यक्रम को गति देने में लगे हैं। भाजपा की छात्र इकाई एबीवीपी ने इसी अवसर पर सामाजिक समाहन के लिए कायी एवं उन पर चर्चा के साथ अपना इतिहास 'ध्येय यात्र' शीर्षक से प्रकाशित किया है। भाजपा आंबेडकर के मिशन से संदेश लेकर दलितों एवं उपेक्षितों के सामाजिक एवं राजनीतिक समाहन, गरीब कल्याण के कार्य, दलित एवं वंचितों समुदायों के नायको को सम्मान एवं भागीदारी की दिशा में किए जाने वाले कायी को प्रसारित करने में लगी है। इससे संगठन का समाज के हाशिये के समाजों से संवाद एवं उनमें प्रसार बढ़ेगा। अपनी पुस्तक 'फैसिनेटिंग हिंदुत्व' और 'रिपब्लिक आफ हिंदुत्व' में मैंने समाज के हाशिये के समूहों में संघ परिवार, जिसमें भाजपा भी शामिल है, के बढ़ते प्रसार की चर्चा की थी। इस पर कइयों को आश्चर्य हुआ था, लेकिन उत्तर प्रदेश के हालिया चुनाव इस रुझान को भलीभांति समझाते हैं। इन चुनावों से यही पुष्टि हुई कि समकालीन हिंदुत्व एवं आंबेडकर मिशन में किस प्रकार सहकार बढ़ा है। वास्तव में हमें भारतीय राजनीतिक गोलबंदी के इन नए परिवर्तनों को स्वीकारना ही होगा। दूसरी ओर आंबेडकर की स्मृति में आज कांग्रेस की भाषा में एक अंदाज दिखता है, जो प्रतिरोध के माध्यम से हाशिये के समूहों के सशक्तीकरण के तर्क को आगे बढ़ाता है। उनके नेताओं के बयानों एवं कार्यक्रमों में ऐसे तर्क उभरते हुए दिखाई देते है। वहीं आंबेडकर के विचारों और दलित पहचान से जुड़ी बसपा आज गहरे संकट से गुजर रही है। उसका आधार वोट बैंक दरकने लगा है। वह इस वर्ष समाज के दलित, शोषित, वंचितों के पार्टी के प्रति बढ़ रहे बिखराव को रोकने के लिए आंबेडकर के प्रतीक एवं स्मृति का सहारा लेने की दिशा में कार्य कर रही है। इसके संकेत उत्तर प्रदेश चुनाव नतीजों के बाद मायावती के बयानों से ही मिलने लगे थे। सपा और वामपंथी दल भी अपने-अपने ढंग से बाबा साहब के प्रतीक से अपना सबंध जोड़ रहे हैं। इन सभी दलों की इस कवायद से जुड़ी शैली में कुछ समानताएं तो तमाम विभिन्नताएं भी हैं। मुख्यधारा के मीडिया से लेकर इंटरनेट मीडिया पर इससे जुड़े तमाम संदेश दिखते भी हैं। इस संदर्भ में हमें यह भी स्मरण रखना होगा कि प्रतीकों का महत्व तब और बढ़ता है जब उस प्रतीक से जुड़े सामाजिक समूह जनतंत्र में मजबूत और प्रभावी होते जाते हैं। उनमें विकास की आकांक्षा बढ़ती है। उनकी आवाज का वजन बढ़ता है। विगत सात-आठ दशकों के दौरान भारत में दलित एवं हाशिये के समूहों में राजनीतिक एवं जनतांत्रिक चेतना सशक्त हुई है। एक गांव में फील्डवर्क के दौरान दलित वर्ग से जुड़ी एक महिला का यह कथन मुझे उल्लेखनीय लगा कि 'बाबा साहब के कारण ही हमारे समाज के तमाम लोग जेब पर कलम लगाकर घूम रहे है। हमें बाबा साहब को भूलने नहीं देना है।' भारतीय समाज के दलित एवं वंचित समाज का यही भाव बाबा साहब आंबेडकर की स्मृतियों को निरंतर प्रासंगिक बनाता जा रहा है।

बीमार स्वास्थ्य तंत्र की सुधरती सेहत, 'आयुष्मान भारत' ने जगाई नई उम्मीद

अपने नागरिकों को विश्वस्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के मकसद से मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति यानी एनएचपी को अपनाया। 2017 में इसे स्वीकार करने के पीछे यही उद्देश्य था कि देश किस प्रकार सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज को तीव्रता से प्राप्त करे। स्वास्थ्य सेवाओं में अतीत का हमारा यही अनुभव रहा था कि उस पर भारी खर्च के बोझ से आम आदमी की क्रय शक्ति प्रभावित हो रही थी। इस खर्च को कम करना एनएचपी के प्रमुख उद्देश्यों में से एक था। इसी पृष्ठभूमि में आयुष्मान भारत या प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएम-जय) की परिकल्पना की गई। इसका लक्ष्य आमजन तक किफायती एवं गुणवत्तापरक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना था। आयुष्मान भारत से पहले भी राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना (आरएसबीवाइ) जैसी पहल की गई थी। उसके अतिरिक्त आंध्र प्रदेश में आरोग्यश्री और महाराष्ट्र में जीवनदायी योजना जैसी कई योजनाएं चल रही थीं, जिन्हें उनका श्रेय दिया जाना चाहिए, लेकिन उनके मुकाबले आयुष्मान भारत बाजी पलटने वाली योजना साबित हुई। इसके विस्तार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि आयुष्मान भारत ने राज्यों की योजनाओं के साथ मिलकर 14 करोड़ से अधिक परिवारों यानी तकरीबन 70 करोड़ लोगों को कवर किया है। इसके अंतर्गत अभी तक 18 करोड़ लोगों को चिन्हित कर उनका आयुष्मान कार्ड बनाया गया है। वैश्विक महामारी के बीच करीब साढ़े तीन वर्षों में ही इसने लगभग 3.28 करोड़ लोगों को उपचार प्रदान किया, जिस पर 37,600 करोड़ रुपये से अधिक का खर्च आया। आयुष्मान भारत के मार्गदर्शक सिद्धांतों को स्पष्ट करने वाले प्रमुख बिंदुओं पर दृष्टि डालकर इसकी सफलता को समझा जा सकता है। इसकी सबसे बड़ी उपलब्धि यही है कि इसने एक व्यापक स्वास्थ्य लाभ पैकेज का स्वरूप लिया है। शुरुआत में इसमें 1,393 बीमारियों का उपचार उपलब्ध था, जिनका दायरा बढ़कर अब 1,670 तक पहुंच गया है। इनमें आन्कोलाजी, न्यूरोसर्जरी और काडियोवस्कुलर सर्जरी जैसे कई उपचारों के लिए प्रत्येक लाभार्थी परिवार को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का कवर प्रदान किया जाता है। अस्पताल में भर्ती होने और बाद के खर्ची का भी ख्याल इन पैकेजों में रखा गया है। इतना ही नहीं, पोर्टेबिलिटी फीचर के माध्यम से दूरदराज वाले क्षेत्रों के लाभार्थी देश के किसी भी कोने में जाकर आयुष्मान सूचीबद्ध अस्पताल में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठा सकते हैं। हेल्थकेयर इकोसिस्टम के एकीकरण से आयुष्मान भारत के तहत राज्यों को उनके क्रियान्वयन के तरीके, लाभार्थी डेटाबेस चुनने और अस्पतालों का नेटवर्क बनाने में काफी लचीलापन मिला। इसके अलावा एनएचए ने राज्य आधारित योजनाओं के साथ भी एकीकरण किया।

कश्मीरी पंडितों के न्याय से जुड़ा प्रश्न, सुनिश्चित की जाए कश्मीरी हिंदुओं की वापसी की डगर

कश्मीरी हिंदुओं की घाटी में वापसी और पुनर्वास का मुद्दा इस समय लोक विमर्श के केंद्र में है। इसमें फिल्म 'द कश्मीर फाइल्स' की महत्वपूर्ण भूमिका है। इस फिल्म को न तो किसी मनोरंजन की दृष्टि से देखा गया और न ही किसी को इसमें कोई दिलचस्पी है कि उसने बाक्स आफिस पर कमाई के क्या रिकार्ड बनाए। कम ही ऐसी फिल्में आती हैं, जिन्हें जनता का स्वतः समर्थन प्राप्त हो, क्योंकि वे एक ऐसे भयावह ऐतिहासिक सत्य को आंशिक रूप से उद्घाटित करती हैं, जिससे समाज अनभिज्ञ रहा। कुछ लोग इस शर्मनाक ऐतिहासिक सत्य में तत्कालीन सरकारों की भूमिका पर प्रश्न उठाकर इसे एक अनसुलझे रास्ते पर ले जाना चाहते हैं। आज विमर्श इस पर होना चाहिए कि क्या कश्मीरी हिंदुओं के नरसंहार की कोई जांच हुई? और नहीं तो अब क्यों न हो? क्या उसके पीछे जो राजनीतिक, प्रशासनिक, अलगाववादी आदि तत्व जिम्मेदार थे, उन्हें चिन्हित कर दंडित किया गया यदि नहीं तो अब क्यों न किया जाए? कश्मीरी हिंदुओं, खासतौर पर महिलाओं और बच्चों, पर जिस प्रकार का बर्बरतापूर्ण अत्याचार कर उन्हें वहां से खदेड़ा गया, क्या कभी कोई आकलन हुआ कि कितने लोग मारे गए, कितने दिव्यांग हुए और कितने मानसिक अवसाद में चले गए? अब जब सरकार कोशिश कर रही है कि विस्थापित कश्मीरी हिंदुओं को वहां फिर से बसाया जाए, तो क्या सरकार इस बात की गारंटी देगी कि वे स्वयं को सुरक्षित महसूस कर सकें और फिर से अपनी जिंदगी शुरू कर सकें? ऐसे ही अनगिनत प्रश्न है। जो केवल एक राजनीतिक निर्णय के मोहताज नहीं कि कश्मीरी हिंदुओं को उनके मूल निवास से जोड़ा जाए, वरन उन्हें दैनिक जीवन में सुरक्षा और सामाजिक जीवन में मानसिक सुरक्षा सुनिश्चित कराए जाने के गंभीर प्रश्न भी सन्निहित हैं। विगत तीस वर्षों से ज्यादा समय में कश्मीर के विस्थापित हिंदुओं की दो पीढ़ियां ऐसी होंगी, जिनका जन्म उस नरसंहार के बाद हुआ होगा और संभवतः उनके माता-पिता या परिवार के सदस्यों ने भी उनसे नरसंहार की विभीषिका छुपाई होगी, क्योंकि उसका स्वरूप इतना भयावह था कि उनके बाल-मन को आतंकित कर सकता था। विगत तीन दशकों में इन विस्थापित हिंदुओं ने कठिन संघर्ष कर अपनी योग्यता के आधार पर देश-विदेश में अपनी आजीविका के लिए प्रयास किया, लेकिन वे जहां भी हैं, उन्हें अपनी जड़ों से काटे जाने की टीस चुभती है। क्या अब वे लौटने की मानसिकता में हैं? क्या उनकी संपत्तियों पर अवैध कब्जा किए लोग उनकी संपत्तियां छोड़ेंगे? क्या उनके पुनर्वास की कोई नई व्यवस्था बनेगी? आखिर इन सभी प्रयासों में उनको सुरक्षा देने

की क्या रणनीति होगी? भारत एक लोकतंत्र है, जिसमें सरकारें बदलती रहती हैं और आज भाजपा सरकार से जो समर्थन और सुरक्षा कश्मीरी हिंदुओं को मिल रही है, क्या वह आगे अन्य सरकारों से मिल सकेगी सुब्रमण्यम स्वामी ने सुझाव दिया है कि एक लाख पूर्व सैनिकों का एक विशेष बल गठित किया जाए और कश्मीरी हिंदुओं के पुनर्वास के पूर्व उन्हें वहां बसाया जाए। क्या वास्तव में ऐसा हो सकेगा और क्या संगीनों के साये में बसने वाले हिंदू स्वयं को स्वतंत्र और सुरक्षित महसूस कर सकेंगे? लाखों हिंदू कश्मीर से विस्थापित कर दिए गए, क्योंकि उन्होंने शास्त्र पर तो ध्यान दिया, शस्त्र पर नहीं। वे गांधी को तो जानते थे, पर शायद राम को नहीं। संभवतः वे भूल गए कि गांधी के आराध्य तो राम थे। वही राम जो परम दयालु थे, लेकिन दुष्टों को दंडित करने हेतु शस्त्र कला में भी वह पर्याप्त रूप से पारंगत भी थे। विगत कई दशकों से अलगाववादियों की गिरफ्त में होने और पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद के कारण कश्मीर के स्वभाव में आमूलचूल परिवर्तन हो गया है। अनुच्छेद 370 और धारा 35 ए हटाए जाने तथा राज्य के पुनर्गठन और उसे केंद्रशासित क्षेत्र बनाने के बाद स्थितियां कुछ बदली है, लेकिन जब तक कश्मीर और देश में मुस्लिम विमर्श नहीं बदलेगा तब तक सामाजिक स्तर पर कोई स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। आज भारत में पाकिस्तान से अधिक मुस्लिम हैं, इसलिए उन्हें अल्पसंख्यक कहने का कोई औचित्य नहीं। भारत का विभाजन ही हिंदू-मुस्लिम आधार पर हुआ और पाकिस्तान एक इस्लामिक राष्ट्र बना। इसके बावजूद भारत में मुस्लिमों को हर प्रकार की आजादी है। इतना ही नहीं, अल्पसंख्यक होने के नाते बहुत से ऐसे अधिकार भी हैं, जो हिंदुओं को भी प्राप्त नहीं। उन्हें वे सभी कष्ट भी हैं, जो लगभग हर देशवासी को है, लेकिन देश में एक ऐसा बौद्धिक वर्ग है जो मुस्लिमों की समस्याओं को ही राष्ट्रीय विमर्श के केंद्र में ले आता है और उन्हें पीड़ित समुदाय के रूप में पेश करता है, जबकि जमीनी हकीकत इसके उलट है। इससे हिंदुओं में आक्रोश उपजता है। आज कुछ बुद्धिजीवियों और मीडिया पर सेक्युलरिज्म का ऐसा नशा चढ़ा है कि जो कोई भी हिंदू हितों की बात करता है, उसे लांछित करने की कोशिश की जाती है। सबसे चिंता की बात यह है कि इस प्रवृत्ति से हिंदुओं और मुस्लिमों का आपसी भाईचारा, सामाजिक संबंध और पारस्परिक विमर्श प्रभावित हो रहा है। यह एक गंभीर राष्ट्रीय समस्या के रूप में उभर रहा है। यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो बहुत देर हो जाएगी। राजनीतिक दलों को इसे समझने की जरूरत है और अपने निहित स्वार्थी के लिए समाज और देश के दूरगामी हितों की बलि नहीं देनी है। कश्मीर की फिजा में कैसे हिंदू-मुस्लिम सौहार्द की किलकारी गूंजे, इस पर राजनीतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर सभी को मिलकर काम करना होगा।

संक्षिप्त समाचार

सीएम मनोहर लाल के बचपन के स्कूल पर हरियाणा में जबरदस्त सियासत, आप और भाजपा में छिड़ा ट्वीट वार

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल के बचपन के स्कूल को लेकर राज्य में सियासत गर्मा गई है। रोहतक जिले के भाली आनंदपुर गांव के इस सरकारी स्कूल को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच ट्वीट वार शुरू हो गया है। स्कूल की हालत को लेकर दोनों दलों के नेताओं में जबरस्त वाकयुद्ध छिड़ा हुआ है। भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेता एक-दूसरे को गलत ठहराते हुए स्कूल की वास्तविक हालत को बयां कर रहे हैं। रोहतक जिले में पड़ने वाले इस सरकारी स्कूल में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने 1965 में कक्षा छह में प्रवेश लिया था और उन्होंने वहां 10वीं क्लास तक की पढ़ाई की थी। इसका पूरा रिकार्ड स्कूल में मौजूद है। मनोहर लाल के अनुसार, वह गांव बनियानी से पैदल भाली आनंदपुर के स्कूल में पढ़ाई के लिए जाते थे। मुख्यमंत्री ने हाल ही में दो करोड़ 75 लाख रुपये की राशि से तैयार भाली आनंदपुर गांव के इस राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के बहुमंजिला भवन का उद्घाटन किया है। भाली आनंदपुर गांव के साथ अपने पुराने नाते का जिक्र करते हुए मनोहर लाल ने इंटरनेट मीडिया पर स्कूल की पुरानी बिल्डिंग और कमरे का फोटो शेयर किया था, जिसमें वह बचपन में पढ़ा करते थे। इस फोटो में मुख्यमंत्री स्वयं भी दिखाई दे रहे हैं। मनोहर लाल के इस फोटो के शेयर करने के बाद आम आदमी पार्टी ने कहा कि जब सीएम अपने एक स्कूल की हालत ठीक नहीं करा सकते तो राज्य के बाकी सरकारी स्कूलों की अच्छी हालत की उम्मीद कैसे की जा सकती है।

प्रदेश सरकार की निःशुल्क राशन वितरण योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हुआ

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने दूसरी बार मुख्यमंत्री की शपथ लेने व कैबिनेट गठन के तत्काल बाद कैबिनेट की बैठक कर 3 माह के लिए प्रदेश के 15 करोड़ गरीबों को निःशुल्क राशन वितरण की सीमा बढ़ाते हुए 30 जून, 2022 तक कर दिया है। मुख्यमंत्री जी का यह निणय्र बेहद मानवीय है, क्योंकि कोरोना के कारण अभी भी गरीबों की स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। सरकार की यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हुई है। प्रदेश के 15 करोड़ पात्र लोगों को डबल राशन का उपहार दिया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा सभी अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को प्रति यूनिट प्रतिमाह 05 किलोग्राम गेहूं तथा उ0प्र0 सरकार द्वारा सभी पात्र गृहस्थ कार्ड धारकों को मुफ्त 05 किलोग्राम गेहूं/चावल प्रति यूनिट प्रतिमाह तथा अन्त्योदय कार्ड धारकों को मुफ्त 35 किलो गेहूं/चावल के साथ 01 किलोग्राम चीनी भी प्रतिमाह दी जा रही है, साथ ही सभी कार्ड धारकों को मुफ्त 01 किलोग्राम दाल, 01 ली0 खाद्य तेल एवं 01 किलोग्राम नमक का वितरण किया जा रहा है। प्रदेश सरकार के एन0एफ0एस0ए0 के नियमित निःशुल्क खाद्यान्न के अतिरिक्त भारत सरकार के निर्देशानुपालन में समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत प्रति व्यक्ति 05 किग्रा0 खाद्यान्न (03 किग्रा0 गेहू व 02 किग्रा0 चावल) का भी प्रति माह निःशुल्क वितरण माह मार्च, 2022 तक कराया गया था। मई, 2021 से फरवरी, 2022 तक 47.91 लाख मी0टन गेहूं तथा 22.56 लाख मी0टन चावल, इस प्रकार कुल 70.47 लाख मी0टन खाद्यान्न का वितरण किया गया। मार्च 2022 में खाद्यान्न वितरित हुआ है। प्रदेश सरकार अप्रैल, 2022 में तीन चरणों में निःशुल्क राशन वितरण करा रही है। पहले चरण में 02 अप्रैल से 10 अप्रैल तक, दूसरे चरण में 12 से 20 अप्रैल तक एवं तीसरे चरण में 22 अप्रैल से राशन वितरण किया जा रहा है। आत्मनिर्भर भारत योजना के अन्तर्गत निःशुल्क खाद्यान्न वितरण योजना के अन्तर्गत प्रवासी/अवरूद्ध मजदूरों को अस्थायी राशन कार्ड संख्या जेनरेट करते हुए, माह मई, 2020 से अगस्त, 2020 तक प्रति यूनिट 05 किग्रा0 की दर से 11888.657 मी0टन निःशुल्क खाद्यानन्न व प्रति कार्ड 01 किग्रा0 की दर से 1060.497 मी0टन निःशुल्क चना का वितरण कराया गया है। दिव्यांगजन को राशनकार्ड उपलब्ध कराये जाने के लिए दिव्यांगजन को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत आच्छादित किये जाने हेतु समय-समय पर विशेष अभियान चलाया जाता है, जिसके अन्तर्गत 18,50,363 दिव्यांगजन को एन0एफ0एस0ए0 के अन्तर्गत आच्छादित किया गया है। जब कोरोना वायरस के फैलने से पूरा देश लॉकडाउन हो गया। विश्वव्यापी यह महामारी ऐसे समय फैली की आम व्यक्ति इसके लिए तैयार नहीं था। लोगों का जीवन सामान्य गति से चल रहा था। हमारे देश में बड़ी संख्या में गरीब, कमजोर, मजदूर लोग व विभिन्न स्वउद्यम छोटे-छोटे दुकान, व्यवसाय, रिक्सा चालक, आटो चालक आदि मजदूरी करके दैनिक आमदनी से अपनी आजीविका चलाते हैं। कोविड-19 के कारण आमजन सुरक्षित रहे और यह वायरस अन्य लोगों में फैलने न पाये, इसी को दृष्टिगत रखते हुए मा0 प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश को सम्बोधित करते हुए कहा था, कि ''हमें जान भी चाहिए और जहॉन भी चाहिए''। प्रधानमंत्री जी को यह जानकारी थी कि देश में बड़ी जनसंख्या दैनिक आमदनी पर निर्भर है, इसलिए उन्होंने पूरे देश के गरीबों, कमजोरों, श्रमिकों, दैनिक मजदूरों आदि के लिए आत्मनिर्भर भारत योजना एवं प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अन्तर्गत देश की जनता में खाद्यान्न वितरित कराने की व्यवस्था की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी लॉकडाउन से लेकर अभी तक लगातार गरीबों, श्रमिकों, दैनिक आमदनी से आजीविका चलाने वाले, गरीबों को खाद्यान्न वितरण की व्यवस्था सुदृढ़ करते हुए प्रदेश के सभी जरूरतमंद लोगों को खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं। मुख्यमंत्री जी का ध्येय है कि पूरे प्रदेश में कोई व्यक्ति भूखा न रहे, सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। जिन परिवारों के राशन कार्ड है या जिनके पास नहीं है, ऐसे सभी पात्रों को खाद्यान्न वितरित किया गया है। प्रदेश के मुख्यमंत्री जी के कुशल नेतृत्व का ही परिणाम है कि प्रदेश के किसी कोने से ऐसी कोई समस्या नहीं आई कि किसी गरीब, असहाय, श्रमिक जरूरतमंद को खाद्यान्न मिला हो। लॉकडाउन के समय से लेकर आज तक सभी जरूरतमंदों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। हरियाणा, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, राजस्थान, तेलंगाना, बिहार, झारखण्ड, मध्य प्रदेश आदि राज्यों के श्रमिकों/कामगारों को भी राष्ट्रीय राशन पोर्टविलिटी के तहत खाद्यान्न का वितरण किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा असहाय, वृद्धजन, दिव्यांगजनों, निःशक्तजनों तथा हॉटस्पाट एरिया जहां पूर्ण लॉकडाउन था और आज भी वे उचित दर की दुकान तक नहीं जा सकते, उन क्षेत्र के ऐसे 7890 परिवारों को लगातार राशन की होम डिलीवरी की जा रही है। लॉकडाउन के दौरान बहुत से ऐसे परिवार, श्रमिक, गरीब और निःसहाय लोग थे, जिनके पास खाद्यान्न तो था किन्तु किसी कारणवश भोजन बना नहीं पाते थे। प्रदेश सरकार ने प्रदेश के सभी जनपदों में कम्युनिटी किचन की व्यवस्था की जिसके माध्यम से गांवों नगरों में खाना बनाकर परिवारों, श्रमिकों को बना-बनाया भोजन आपूर्ति किया गया। प्रदेश सरकार कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए प्रदेश के समस्त जनपदों में अन्य प्रदेशों से आने वाले श्रमिकों/कामगारों को प्रवास के लिए विभिन्न क्वारंटीन सेन्टर एवं ट्रांजिट कैम्प बनाये गये है, जहां वह निवासित थे, ऐसे लोगों को विशेष सतर्कता बरतते हुए अनुमन्य आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति उसी सेन्टर में की गई। ताकि लाभार्थिन्यों के सुगमतापूर्वक इस योजना का लाभ प्राप्त हो जाय और उन्हें उचित दर की दुकानों पर न जाना पड़े। प्रदेश सरकार की सुदृढ़ सुव्यवस्थित राशन वितरण प्रणाली के कारण ही प्रदेश के गांवों, कस्बों, नगरों में हर जरूरतमंद को खाद्यान्न लगातार मिल रहा है। उ0प्र0 के श्रमिक/कामगार जो देश के अन्य प्रदेशों से आये है, उन्हें प्रदेश सरकार सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुरक्षा और खाद्य सुरक्षा मुहैया करा रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा हर पात्रों को दिये जा रहे राशन की हर तरफ प्रशंसा हो रही है। प्रदेश के गाँवों के अंतिम व्यक्ति तक को राशन मिलने से मुख्यमंत्री योगी जी प्रदेश के गरीबों के मसीहा बन चुके हैं।

डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए दी गई श्रद्धांजली

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट के सभागार में जिला अधिकारी सुहास एल वाई के निर्देश पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में अंबेडकर जयंती का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अपर जिला अधिकारी वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के महापुरुष हैं। उन्होंने भारत के संविधान निर्मित होने में जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है। साथ ही उनका उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव ने अपने उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत रतन डॉक्टर भीमराव अंबेडकर भारत के महापुरुष हैं। उन्होंने भारत के संविधान निर्मित होने में जो योगदान दिया है वह अनुकरणीय है। साथ ही उनका जीवन चरित्र हम सभी को सब के साथ एक जैसा व्यवहार करने की प्रेरणा देता है। आज हम सभी को उनके आदर्शो का अनुकरण करने का संकल्प लेते हुए अपनी कार्यप्रणाली में उन्हें अनुकरण करना चाहिए ताकि भारत देश एवं समाज का और अधिक विकास तेजी से आगे बढ़ सके। इस अवसर पर जिला आबकारी अधिकारी राकेश बहादुर सिंह, डिप्टी कलेक्टर कोमल पंवार अन्य अधिकारीगण तथा कर्मचारियों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। विकास भवन में जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे की अध्यक्षता में यह कार्यक्रम आयोजित हुआ, जहां पर डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जी के चित्र का अनावरण करते हुए जिला विकास अधिकारी गरिमा खरे, जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी कुंवर सिंह यादव, डीएसटीओ हेमंत कुमार तथा अन्य अधिकारियों ने पुष्पांजलि अर्पित की गई तथा उनके जीवन चरित्र पर विस्तृत रूप से प्रकाश डाला गया। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

श्री राम का चरित्र आज भी समाज के लिए प्रासंगिक है-: महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भारतीय संस्कृति में राम का एक अपना विशिष्ट स्थान है । राम ने मानव मर्यादा की रक्षा के लिए जो भी काम किया वह मानव समाज के लिए आज भी ग्रहण करने योग्य है। उक्त बातें सेक्टर 82 के पाकेट7 मे चल रही रामकथा

के छठे दिन कथा व्यास के रूप में व्यासपीठ से बोलते हुए महामंडलेश्वर स्वामी पंचमानंद जी महाराज ने कही। श्री स्वामी जी ने कथा मे आगे कहां की यदि नित्य राम के नाम का स्मरण किया जाए तो जहां जीव का कल्याण होता है वही उसके चरित्र का भी निर्माण होता है गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरित मानस में कहां है राम नाम जप से ही सारे कष्टों का समाधान हो जाता है कलियुग केवल नाम अधारा। सुमिर सुमिर नर उतरहि पारा। इतना ही नहीं उन्होंने मानव तन को मोक्ष का द्वार भी कहां है जो बड़े भाग्य से मनुष्य को मिलता है :- बड़े भाग मानुष तन पावा इस अर्धाली के अनुसार मानव तन इसलिए मिला है की हम राम चरित्रको सुनकर भगवान के चरित्र के अनुरूप अपने आचरण को सुधार सकें। सदाचार व परोपकार के भाव को ग्रहण कर माता पिता गुरु की आज्ञा का पालन करें लेकिन इन गुणों को प्राप्त करने के लिए गुरु की आवश्यकता होती है उनकी दीक्षा ।उनकी शिक्षा उनके प्रति समर्पण और भक्तों से हम राम के आदर्शों का कुछ अंश प्राप्त कर सकते हैं । लेकिन यदि गुरु कृपा हो जाए तो हम राम भी बन सकते हैं। आज इस कथा का छठा दिन है राम वन गमन व केवट संवाद का सुंदर प्रसंग भी है राम कितनी मर्यादा रखते हैं आज उसकी परीक्षा भी इसी प्रसंग में वर्णित होगी जानकी को ब्याह कर घर आए चारों भाइयों का विवाह जनक के पुत्रियो के साथ एक ही मंडप में संपन्न हुआ सीता,राम के साथ व्याही गयी,लक्ष्मण के साथ उर्मिला का विवाह हुआ मांडवी भारत के साथ और शत्रुधन के साथ मांडवी विवाह सम्पन्न हुआ अयोध्या में बहू आने का उत्सव संपन्न हुआ राजा दशरथ के मन में जेष्ठ पुत्र राम को राज्याभिषेक करने का भी विचार आया। राज्य अभिषेक की तैयारी होने लगी लेकिन दुर्भाग्य से अपने पति दशरथ से उनके द्वारा दिए गए दो वरदान मांग लिए। जिसमे प्रथम राम का वनवास और दूसरे मे भरत को राज तिलक दशरथ का कष्ट हुआ लेकिन जब राम को पता चला कि माता कैकई ने पिताजी से दो वरदान मांगे है जिसमें उनको वन जाना आवश्यक है राम वनवास स्वीकार कर लेते है और वनवास निकल जाते हैं यह एक प्रेम भरा आदर्श है जो अपने भाई के लिए सत्ता को ही लात मार देता है केवट की ओर आगे बढ़ते है ।जहां राम केवट को गले लगा कर सामाजिक समरसता का संदेश देते हैं। शबरी के जूठे बेर प्रेम के प्रतीक है वहीं पर जटायु का उद्धार भक्ति का प्रतीक लोक कल्याण की भावना का प्रतीक है तो आतताइयों से मुक्त कराना देश के प्रति समर्पण का भी भाव उत्पन्न करता है अयोध्या की मिट्टी एक पावन भूमि है जहाँ सारी मर्यादायें एक ही स्थान पर मिल जाती हैं हैं सबको चाहिए कि भगवान राम के आदर्शों को पढ़ें बच्चों को पढ़ाएं आचरण में ले आए और एक संस्कारी समाज की स्थापना करे यही राम के प्रति हम सब का समर्पण व भक्ति का भाव होगा। इस मौके पर आचार्य विश्व नाथ त्रिपाठी ,आचार्य गौरव जी,हरि शंकर सिंह,संजय शुक्ल,रवि राघव,एन के सोलंकी ,रमेश चंद्र दास ,अंगद सिंह तोमर,संजय पाण्डेय,राजेश गुप्ता,प्रमोद भारद्वाज,रमेश शर्मा,गोरे लाल,संगम प्रसाद मिश्र,अमितेश सिंह,सिया राम,शिव चौधरी,राजेश राघव,वीरेन्द्र,धर्मेन्द्र सिंह,गिरिराज,राजवीर, एस के तिवारी , वी के सतपती,राम भरोसे,रमेश वर्मा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे ।

अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना को लेकर समय सारणी निर्गत

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि गत वित्तीय वर्ष शैक्षिक सत्र 2021-22 में अनुसूचित जाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के तहत कक्षा 11-12 एवं अन्य दशमोत्तर कक्षाओं से संबंधित छात्रों के लंबित अग्रसारण एवं भारत सरकार को डाटा शेयर करने के लिए समय सारणी निर्गत कर दी गई है।उक्त जानकारी राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी ने दी ।

फिलहाल कुतुबमीनार परिसर से नहीं हटेंगी देवी-देवताओं की मूर्तियां

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली साकेत कोर्ट ने बुधवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) को कुतुबमीनार परिसर में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद से दो हिंदू देवताओं की मूर्तियों को हटाने से रोक दिया है। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश निखिल चोपड़ा की अदालत ने यह आदेश सुनाया है। कोर्ट में दायर याचिका में कुतुबमीनार परिसर के भीतर लगीं हिंदू और जैन धर्म के देवताओं की मूर्तियों की पूजा के अधिकार की मांग की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है कि आक्रमण से पहले परिसर के अंदर एक मंदिर था। परिसर में जैन तीर्थंकर, भगवान विष्णु, गणोश, शिव, देवी गौरी, हनुमान जी सहित कई देवी-देवताओं की मूर्तियां हैं, जिसमें 27 मंदिरों के पीठासीन देवता शामिल हैं। गौरतलब है कि मामले में पहले से ही पूजा के अधिकार को लेकर याचिका दाखिल कर चुके एडवोकेट विष्णु जैन और एडवोकेट रंजना अग्निहोत्री ने नई अर्जी में कहा है।

दिल्ली एनसीआर को लगे महंगाई के 2 बड़े झटके

नई दिल्ली। तेल विपणन कंपनियों की ओर से पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोतरी नहीं की जा रही है, लेकिन पीएनजी और सीएनजी की कीमतों ने दिल्ली-एनसीआ के लोगों की जिंदगी को दुश्वार करना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि पीएनजी की कीमतों में हुई इस बढ़ोतरी का असर दिल्ली एनसीआर के करीब 17 लाख परिवारों पर पड़ेगा, वहीं सीएनजी की कीमतों में वृद्धि के बाद लोगों का सफर और महंगा होगा।

भाजपा ओबीसी मोर्चा ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर किया कार्यक्रम

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । भाजपा ओबीसी मोर्चा नॉएडा महानगर में अलग अलग स्थानों पर ओबीसी मोर्चा नॉएडा महानगर अध्यक्ष श्री उमेश पहलवान जी के अध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता जी उपस्थित रहे। बीजेपी ओबीसी प्रदेश महामंत्री विनोद यादव एवं मनोज गुप्ता ने कार्यक्रम में राशन वितरण भी किया।विनोद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कोरोना काल में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया की कोरोना काल में पूरे देश में कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे और इसलिए 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुफ्त राशन की व्यवस्था केंद्र सरकार की तरफ से की गयी।उत्तर प्रदेश में यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी अलग से उत्तर प्रदेश की गरीब जनता को ध्यान में रखते हुए उनके लिए अलग से मुफ्त राशन की व्यवस्था कराई। इस दौरान जिला महामंत्री उमेश त्यागी, जिला महामंत्री डिंपल आनंद, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष उमेश पहलवान, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा नॉएडा प्रभारी नरेश शर्मा

नेतृत्व में सामाजिक न्याय पखवाड़े के अंतर्गत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना पर कार्यक्रम आयोजित किए इसी कड़ी में एक कार्यक्रम सेक्टर 22 चौड़ा सादतपुर गांव में आयोजित किया गया जिसके संयोजक भाजपा ओबीसी मोर्चा कार्यक्रम मंडल प्रभारी श्री कृष्ण यादव एवं ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष श्री परमिंदर बैरागी रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री विनोद यादव एवं भाजपा नॉएडा महानगर जिला अध्यक्ष श्री मनोज गुप्ता जी उपस्थित रहे। बीजेपी ओबीसी प्रदेश महामंत्री विनोद यादव एवं मनोज गुप्ता ने कार्यक्रम में राशन वितरण भी किया।विनोद यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा चलाए जा रहे प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों से संवाद किया। उन्होंने बताया कि किस प्रकार से कोरोना काल में आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने यह सुनिश्चित किया की कोरोना काल में पूरे देश में कोई भी व्यक्ति भूखा ना रहे और इसलिए 80 करोड़ लोगों को प्रतिमाह मुफ्त राशन की व्यवस्था केंद्र सरकार की तरफ से की गयी।उत्तर प्रदेश में यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने भी अलग से उत्तर प्रदेश की गरीब जनता को ध्यान में रखते हुए उनके लिए अलग से मुफ्त राशन की व्यवस्था कराई। इस दौरान जिला महामंत्री उमेश त्यागी, जिला महामंत्री डिंपल आनंद, ओबीसी मोर्चा जिला अध्यक्ष उमेश पहलवान, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा नॉएडा प्रभारी नरेश शर्मा , भाजपा मंडल अध्यक्ष गोपाल गौड़, ओबीसी मोर्चा क्षेत्रीय सोशल मीडिया सह प्रभारी पश्चिम छेत्र रोहित चौधरी , ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री भगत भाटी, ओबीसी मोर्चा जिला महामंत्री धीर सिंह सैनी, जिला उपाध्यक्ष रामकिशन यादव, जय प्रकाश प्रजापति, प्रदीप भारद्वाज, अभित बैरागी, मोहित बैरागी, बिट्टू बैरागी, कार्यक्रम संयोजक प्रभारी कृष्णा यादव, सोनू कौशिक, गजराज भारद्वाज, सुमन चौहान, संजय सिंह आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

तेलंगाना के बाद अब आंध्र प्रदेश में जिंदा जले बिहारी श्रमिक, एक महीने में 15 की मौत, घायलों में भी अधिकांश बिहार के

पटना। एक महीने के अंदर बिहार के बाहर बिहारी श्रमिकों के जिंदा जलने की यह दूसरी खबर है।

आंध्र प्रदेश के एलुरु स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में आग लगने के बाद बॉयलर में ब्लास्ट हो गया, जिसमें आधा दर्जन मजदूरों की मौत हो गई है। मृतकों में चार बिहार के नालंदा के बताए जा रहे हैं। जबकि, एक दर्जन से अधिक घायलों में भी अधिकांश बिहार के ही हैं। मृतक श्रमिकों के स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। इसके पहले तेलंगाना के सिकंदराबाद में बीते 23 मार्च की सुबह एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग जाने के कारण बिहार के 11 मजदूर जिंदा जल गए थे। एसपी राहुल देव शर्मा के अनुसार फैक्ट्री में नाइट्रिक एसिड और मोनो मिथाइल के रिसाव के कारण आग लगी और इसके परिणाम से विस्फोट हो गया। मिली जानकारी के अनुसार दवा बनाने के दौरान अचानक बॉयलर में आग लग गई। इसके बाद जबतक लोग एहतियाती कदम उठा पाते, भारी धमाका हो गया। धमाके के कारण आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई। हादसे की चपेट में फैक्ट्री में काम कर रहे श्रमिक व अन्य लोग आ गए। घायलों में सात बिहार के बताए गए हैं। विदित हो कि एक महीने के अंदर बिहार के बाहर बिहारी श्रमिकों के जिंदा जलने की यह दूसरी घटना है। इसके पहले बीते 23 मार्च की सुबह तेलंगाना के सिकंदराबाद इलाके में एक कबाड़ गोदाम में भीषण आग लग गई थी। उस दर्दनाक हादसे में बिहार के 11 मजदूरों की जिंदा जलकर मौत हो गई थी। घटना सुबह के पहले हुई। उस वक्त श्रमिक सोए हुए थे। गोदाम में आग लगने के कारण धुआं भर गया और निकलने का रास्ते बंद हो गए। इस कारण श्रमिक अंदर ही दम घुटने व जलने के कारण मारे गए।

कांग्रेस की गांधी संदेश यात्रा स्थगित, बिहार के अध्यक्ष दिल्ली बुलाए गए चर्चाओं का बाजार गर्म

पटना। कांग्रेस के केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर 17 अप्रैल से बिहार में प्रस्तावित गांधी संदेश यात्रा स्थगित कर दी गई है। दूसरी ओर कांग्रेस

के केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश अध्यक्ष डा. मदन मोहन झा को दिल्ली तलब कर लिया है। डा. झा मंगलवार की देर शाम ही दिल्ली पहुंच गए हैं। इसके बाद से राज्य में कांग्रेस नेतृत्व को लेकर अफवाहों का बाजार गर्म हो गया है। पार्टी के प्रदेश स्तर के नेता इस मसले पर बोलने से परहेज कर रहे हैं। इस महीने के प्रारंभ में कांग्रेस आलाकमान ने अप्रैल में गांधी यात्रा शुरू करने का फैसला किया था। बिहार में यह यात्रा 17 अप्रैल से चंपारण से होनी थी। दो सप्ताह की यात्रा बिहार के अलग-अलग क्षेत्रों से होते हुए झारखंड और इसके बाद पश्चिम बंगाल पहुंचनी थी। केंद्रीय स्तर पर यात्रा की शुरुआत साबरमती से होनी थी, लेकिन यात्रा प्रारंभ हो, इसके पूर्व ही इसे स्थगित कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार, कांग्रेस आलाकमान ने यात्रा स्थगित करने के पहले प्रदेश अध्यक्ष को दिल्ली तलब किया। उन्होंने दिल्ली में आलाकमान से मिलने के बाद प्रदेश के नेताओं को यात्रा स्थगन की जानकारी दी।

रणबीर-आलिया की मेंहदी पर इमोशनल हुई नीतू कपूर, छलके आंसू

नई दिल्ली। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट की शादी में अब कुछ ही घंटे बचे हैं। ऐसे में कपूर और भट्ट फैमिली इसके एक-एक पल को जी लेना चाहता है। रणबीर आलिया की मेहंदी सेरेमनी के दौरान नीतू कपूर बहुत ज्यादा इमोशनल हो गई थीं। ऋषि कपूर से मीडिया अक्सर उनके बेटे को लेकर सवाल करता था और वो यहीं कहते, की

की मां नीतू कपूर के लिए ये मौका बेहद खास है, इसे लेकर वो काफी एक्साइटेड भी है। वहीं अब ऐसी खबरें आ रही है कि रणबीर और आलिया की मेहंदी सेरेमनी के धूमधाम से करेंगे रणबीर की शादी। ऐसे में जब वो आज दुनिया में नहीं हैं तो 13 अप्रैल को रणबीर और आलिया की मेहंदी सेरेमनी के फंक्शन के दौरान मां नीतू कपूर काफी इमोशन हो गईं। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक ऋषि कपूर को याद करके नीतू कपूर की आंखों में आंसू आ गए थे। उन्होंने किसी तरह खुद को संभाला। इसका कराण एक और हो सकता है वो ये कि अभी हाल ही में नीतू कपूर ने अपने और ऋषि कपूर की सगाई की तस्वीर शेयर की थी। और उस दिन भी 13 अप्रैल भी था। इसी लिए शायद आलिया-रणबीर की शादी के फंक्शन भी इसी दिन शुरू हुए हैं। सगाई की फोटो सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए नीतू कपूर ने कैप्शन में लिखा- 'बैसाखी के दिन की यादें। 43 साल पहले 13 अप्रैल 1979 को हमारी सगाई हुई थी।' मीडिया रिपोर्ट्स की अनुसार नीतू कपूर ने आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान संग जमकर मेहंदी सेरेमनी फंक्शन काफी एन्जॉय किया। दोनों के बीच जबरदस्त बॉन्डिंग देखने को मिली। यहां तक कि दोनों परिवार वालों ने साथ कई तस्वीरें भी खिंचवाईं। इसके साथ ही करिश्मा कपूर मे मेंहदी सेरेमनी की पहली झलक अपने इंस्टाग्राम अकांट पर शेयर की है। जिसमें वो पैरों में मेंहदी लगवाती नजर आ रहीं हैं।

कटरीना कैफ की प्रेग्नेंसी को लेकर उड़ीं अफवाहें, तस्वीर देख फैंस ने किए ये कमेंट

नई दिल्ली। बॉलीवुड के फेमस एक्ट्रेस कटरीना कैफ ने पिछले साल दिसंबर में अभिनेता विक्की कौशल से राजस्थान स्थित सिक्स सेंस फोर्ट में शादी रचाई थी। अब एक्ट्रेस के मुंबई हवाई अड्डे पर स्पॉट

किया गया था, जिसके बाद से उनकी प्रेगनेसी की अफवाहें वायरल हो रही हैं। एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार हाल ही में एक्ट्रेस के एक वीडियो समाने आई है, जिसमें वो एक मैचिग के दुपट्टे के साथ एक लूज गुलाबी कलर के सूट में नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस ने खुद को दुपट्टे से ढक रखा है और पैपराजी को देख कर वो थोडी धीरे चलने लगती हैं। एक्ट्रेस की इन्हीं सब एक्टिविटी को देख कर फैंस कयास लगा रहे हैं कि एक्ट्रेस गर्भवती है। रिपोर्ट के अनुसार एक यूजर ने लिखा, जल्दी मम्मी बनने वाली है, कटरीना के बच्चे को देखने के लिए और इंतजार नहीं कर सकती। दूसरे यूजर ने लिखा वो गर्भवती लग रही हैं, हे भगवान। जबकि तीसरे फैंस ने लिखा, मुझे लगता है प्रेगनेंट है। बता दें, हाल ही में एक्ट्रेस अपने पति विक्की कौशल के साथ वेकेशन एंजॉय कर लौटी हैं, जिसकी कई तस्वीरें उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की थी। इस तस्वीर में देखा जा सकता है कि कटरीना कैफ ब्लैक कलर की मोनोकिनी पहने और सर पर ओवर साइड हैट लगाएं पोज देती दिख रही हैं। बात अगर कटरीना कैफ के वर्कफ्रंट की करें तो वो फिल्म टाइगर 3 में अभिनेता सलमान खान के साथ मुख्य किरदार नजर आने वाली हैं। इस फिल्म अभिनेत्री पाकिस्तानी एजेंट के रोल में दिखाई देंगी। इस के अलावा वो फिल्म फोन भूत में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो सिद्धांत चतुर्वेदी और ईशान खट्टर के साथ मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस निर्देशक श्रीराम राघवन के निर्देशन में बनी रही फिल्म मेरी क्रिसमस में साउथ के सपुर स्टार विजय सेतुपति के साथ मुख्य किरदार में नजर आने वाली हैं।

हॉलीवुड में फिल्म के बाद अब सीरीज में नजर आने वाली टीवी एक्ट्रेस श्वेता केसवानी ने किया बड़ा खुलासा

नई दिल्ली। 'अभिमान', 'कहानी घर-घर की' और 'देश में निकला होगा चांद' जैसे कई मशहूर टेलीविजन शोज में काम कर चुकीं अभिनेत्री श्वेता केसवानी इन दिनों हॉलीवुड में एक्टिंग की दुनिया में नाम तलाशने की कोशिश कर रही हैं। श्वेता अमेरिका के मशहूर शो द ब्रैकलिस्ट में भी नजर आ चुकी हैं। हाल ही में श्वेता ने से एक्सक्लूसिव बातचीत में बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री से जुड़े कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने कास्टिंग काउच को लेकर भी बड़े खुलासे किए हैं।

सलमान खान की रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर के साथ प्रीति जिंटा ने एन्जॉय की डिनर डेट, कहा- मेरे बिना सब बोरिंग

नई दिल्ली। प्रीति जिंटा सिर्फ सलमान खान की ही नहीं, बल्कि उनकी रूमर्ड गर्लफ्रेंड यूलिया वंतूर की भी काफी अच्छी दोस्त है। हाल ही में प्रीति जिंटा ने अपने घर लॉस एंजेलिस में यूलिया से मुलाकात की, जहां इन दोनों ने अपनी मीटिंग की कुछ तस्वीरें पोस्ट की। जिसमें वह यूलिया वंतूर के साथ एक

अच्छा समय बिताती हुई नजर आ रही हैं। प्रीति जिंटा और यूलिया वंतूर की ये तस्वीर उनके फैन्स को काफी पसंद आ रही है। प्रीति जिंटा द्वारा इंस्टाग्राम पर पोस्ट की गई यह तस्वीर इन दोनों की लंच डेट की है। जहां पहली तस्वीर में प्रीति जिंटा व्हाइट रंग का टॉप पहने स्माइल कर रही हैं। तो वही दूसरी तरफ यूलिया वंतूर भी सिंपल ब्लैक टॉप में दिखाई दीं। तो वही किसी तस्वीर में प्रीति जिंटा प्यार से यूलिया वंतूर को गले लगाते हुए दिखाई दें रही हैं, तो वही यूलिया भी किसी तस्वीर में पाउट कर रही हैं। इन दोनों की तस्वीरों से ये साफ जाहिर है कि दोनों ने अपनी लंच डेट पर जमकर मस्ती की है। इस तस्वीर को शेयर करते हुए प्रीति जिंटा ने कैप्शन में लिखा, 'यूलिया वंतूर तुम इस बात को मान लो कि मेरे बिना सब बोरिंग है' सोशल मीडिया यूजर्स को इन दोनों की ये प्यार भरी तस्वीर खूब पसंद आ रही है। एक यूजर ने इन दोनों की पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'आप दोनों बहुत ही खूबसूरत हो'। दूसरे यूजर ने लिखा, 'ओह माय गॉड, आप बहुत ही प्यारी लग रही हो'। अन्य यूजर ने लिखा, 'प्रीति आप इन तस्वीरों में बहुत ही प्यारी लग रही है। आपकी ये पिक्चर बहुत ही खूबसूरत और क्यूट है। हालांकि सोशल मीडिया पर कई फैन्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि वह प्रीति जिंटा को किंग्स 11 पंजाब के मैच के दौरान उनकी मौजूदगी को मिस कर रहे है प्रीति जिंटा भले ही फिल्मों से दूर हों, लेकिन वह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं और अपनी रोजमर्रा से जुड़ी जिंदगी की अपडेट वह अपने फैन्स को देती रहती है। प्रीति जिंटा और उनके पति जीन गुडइनफ बीते साल ही सरोगेसी की मदद से माता-पिता बने है। इन दोनों के ट्विन्स है, जिनकी तस्वीरें प्रीति जिंटा अक्सर सोशल मीडिया पर शेयर करती हैं। प्रीति जिंटा की फिल्मों की बात करें तो उन्हें पर्दे पर आखिरी बार फिल्म 'भाईजी सुपरहिट' में देखा गया था । यह फिल्म 2018 में रिलीज हुई थी, जिसमें प्रीति जिंटा के अपोजिट सनी देओल नजर आए थे ।

अमिताभ बच्चन ने आलिया-रणबीर को दी नए सफर की शुभकामनाएं, कहा- 'जश्न की शुरुआत करें'

नई दिल्ली। अभिनेत्री आलिया भट्ट और अभिनेता रणबीर कपूर के घर में उनकी शादी की तैयारियां और रस्में बुधवार को शुरू हो गई हैं। कल आलिया भट्ट की मेहंदी सेरेमनी हुई। जिसमें उनके और रणबीर कपूर के परिवार के अलावा फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सितारे पहुंचे। वहीं बुधवार को बॉलीवुड के कई

सितारों ने रणबीर कपूर और आलिया भट्ट को उनकी नई जिंदगी के लिए शुभकामनाएं दी हैं कपल को शुभकामनाएं देने वालों में बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन का भी नाम शामिल है। उन्होंने बुधवार को फिल्म ब्रह्मास्त्र के गाने केसरिया का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया। इसके साथ बिग बी में फिल्म ब्रह्मास्त्र में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के किरदार के नाम का जिक्र करते हुए उन्हें उनकी जिंदगी के आगे के सफर के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अमिताभ बच्चन ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर केसरिया गाने का टीजर रिलीज किया है। इस टीजर में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर का रोमांटिक अंदाज भी देखने को मिला है। इस टीजर को शेयर करते हुए अमिताभ बच्चन ने पोस्ट में लिखा, 'हमारी ईशा और शिव को शुभकामनाएं, क्योंकि वे आने वाले दिनों में एक बहुत ही खास सफर शुरू करने के लिए तैयार हैं। आइए टीम ब्रह्मास्त्र की ओर से कुछ खास जश्न की शुरुआत करें।' सोशल मीडिया पर अमिताभ बच्चन का यह पोस्ट वायरल हो रहा है। अमिताभ बच्चन के फैंस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर को उनकी शादी के लिए शुभकामनाएं दे रहे हैं। आपको बता दें कि इनकी शादी को लेकर लगातार खबरें सामने आ रही है। दोनों कलाकारों के फैंस उनकी शादी को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। रणबीर और आलिया भट्ट की शादी की तैयारियों के जहां वीडियो और तस्वीरें वायरल हो रही हैं। बुधवार को रणबीर कपूर के घर आलिया भट्ट के प्री-वेडिंग फंक्शन हुए। इस फंक्शन में करण जौहर, करीना कपूर खान, करिश्मा कपूर और अयान मुखर्जी सहित बॉलीवुड के कई सितारे पहुंचे। रिपोर्ट्स के मुताबिक करण जौहर आलिया भट्ट की मेहंदी सेरेमनी में काफी इमोशनल हो गए। जानकारी के मुताबिक करण जौहर जब आलिया भट्ट के हाथों में मेहंदी लगा रहे थे तो वह उन्हें देखकर काफी भावुक हो गए। करण जौहर ने आलिया भट्ट और रणबीर कपूर की शादी के लिए येलो रंग का कुर्ता और सफेद रंग का पायजामा चुना।

भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया ने बेटे को दिया निकनेम

नई दिल्ली। कॉमेडियन भारती सिंह इन दिनों अपने पैरंटहुड को काफी एन्जॉय कर रही हैं। 3 अप्रैल 2022 को भारती सिंह ने बेबी बॉय को जन्म दिया, जिसकी खुशी हर्ष लिम्बाचिया ने फैन्स के साथ सोशल मीडिया पर शेयर की। जहां हर्ष पिता बनने के बाद एक बार फिर से अपने काम पर लौट आए हैं, तो

वही भारती सिंह अधिक से अधिक समय अपने बेबी के साथ बिता रही हैं। हाल ही में भारती सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर बेटे की पहली झलक दिखाई। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम पर बेटे और पति हर्ष के साथ सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर की है। भारती घर लौटने के बाद से ही सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह इन्स्टा पर कई खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो पोस्ट करती है। भारती सिंह ने इन्स्टा स्टोरी पर एक तस्वीर पोस्ट की। यह एक फैमिली पिक्चर है, जिसमें भारती की गोद में उनके लाड़ले बेटे हैं। भारती और हर्ष इन तस्वीरों में काफी खुश नजर आ रहे हैं। हालांकि कॉमेडियन भारती सिंह ने इस तस्वीर में अपने बेटे की शक्ल नहीं दिखाई है, लेकिन तस्वीर पोस्ट करते हुए भारती ने ये जरुर बताया कि वह प्यार से अपने बेटे को गोला बुलाते हैं, जो उनके बेटे का निकनेम है। गोला नाम देने के पीछे का कारण बताते हुए भारती ने कहा, 'मेरा बेटा बिलकुल गोलू-मोलू है इसलिए हम उसे 'गोला' बुलाते है। भारती सिंह ने अपने यूट्यूब चैनल में ये भी बताया कि बेबी के जन्म से पहले जब भी वह शूटिंग से लौटकर घर आती थीं और थकी रहती थीं, तो जब भी छोटी सी आवाज आती थी तो उन्हें और हर्ष को एक-दूसरे पर बहुत गुस्सा आता था, लेकिन बेबी के जन्म के बाद उनकी जिंदगी पूरी तरह से बदल चुकी है, क्योंकि बेबी हर दो घंटे में दूध पीने और सुसु करने के लिए उठता है, तो उसका डायपर चेंज करना होता है। लेकिन ऐसा पहली बार हुआ है कि हर्ष और भारती दोनों एक ही समय पर उठे और उन्हें किसी भी बात पर कोई गुस्सा नहीं आया। भारती ने आगे इसे एक अटूट प्यार बताया। भारती सिंह ने अपने वीडियो में अस्पताल से लेकर घर आने तक का सफर तय किया। घर पहुंचकर भारती ने अपने बेबी बॉय का रूम भी दिखाया, जिसकी थीम उन्होंने ब्लू रखी है। इसी के साथ भारती ने सभी मदर्स का शुक्रिया अदा किया और साथ ही मां बनने के अनुभव को दुनिया का सबसे अनोखा सुख बताया। आपको बता दें कि भारती सिंह अपनी प्रेगनेंसी के दौरान लगातार शूटिंग कर रही थीं। बेबी के जन्म के 2 दिन पहले ही उन्होंने छुट्टी ली थी। मां बनने के बाद भारती सिंह अपने बेबी के साथ समय बिता रही हैं।

बोल्ड और बेबाक उर्फी जावेद ने बताया क्यों नहीं मानती अपना 'मजहब', बढ़ सकती हैं मुश्किलें

नई दिल्ली। उर्फी जावेद को बोल्ड अंदाज और बेबाक राय के लिए जाना जाता है अब उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपने फैंस के साथ एक क्वेश्चन आंसर सेशन किया है उन्होंने एक

प्रशन का उत्तर देते हुए धर्म के बारे में बात की है, जिसे लेकर उनकी मुश्किलें बढ़ सकती है उर्फी जावेद से दरअसल एक फैन ने पूछा है, 'आप अपना रिलीजन क्यों नहीं मानती, कोई कारण' इस पर उर्फी जावेद ने कहा है, 'क्योंकि हर धर्म आदमियों द्वारा बनाया गया है और आदमी की बनाई चीजों में गलती हो सकती है उर्फी जावेद इसके पहले भी कई विवादित बयान दे चुकी है इसके लिए उन्हें ट्रोल भी किया गया है उर्फी जावेद तस्वीरों में गाड़ी में बैठी नजर आ रही है उन्होंने मेकअप कर रखा है उन्होंने लिपस्टिक लगा रखी है और वह प्रशन का उत्तर देते समय सोचती हुई भी नजर आ रही है इसमें उनकी नेल पॉलिश लगी नेल्स भी नजर आ रही है तस्वीरों में उर्फी जावेद ने ब्लैक कलर की ब्रालेट और क्रॉप टॉप पहन रखा है इस लुक में उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर भी स्पॉट किया गया वहां वह कैमरे को देखकर बोल्ड पोज देती नजर आई उर्फी जावेद बिग बॉस ओटीटी में नजर आ चुकी हैत् वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुकी है वह अक्सर अपनी हॉट और बोल्ड तस्वीरें और वीडियो शेयर करती है, जिन्हें फैंस काफी पसंद करते हैं उर्फी जावेद ने इससे पहले कहा था कि वह मुस्लिम लड़कों से शादी नहीं करेंगी क्योंकि मुस्लिम लड़के बहुत ही अभद्र होते हैं उर्फी जावेद को अपने बोल्ड अंदाज के लिए ट्रोल भी किया जाता है हालांकि ट्रोलिंग का जवाब वह और बोल्ड होकर देती है।

भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़ा है अमिताभ बच्चन का चौथा सवाल, क्या आपको पता है इसका सही जवाब

नई दिल्ली। टीवी का फेमस सवाल-जवाब शो यानी 'कौन बनेगा करोड़पति' का सीजन 14 इन दिनों चर्चा में बना हुआ है। केबीसी ने अबतक न जानें कितने लोगों के न सिर्फ सपनों को पूरा किया है बल्कि उन्हें मालामाल भी बनाया है। महानायक अमिताभ बच्चन होस्टेड शो 'कौन बनेगा करोड़पति' सवाल का सही उत्तर दें। साथ ही जानें अप्लाई करने का तरीका। कौन बनेगा करोड़पति' के होस्ट यानी अमिताभ बच्चन ने 14वें सीजन कर अपना चौथा सवाल पूछ लिया है। इस सवाल का सही जवाब देने के लिए आपके पास 13 अप्रैल रात 9 बजे तक का ही समय है। सही जवाब देने के साथ

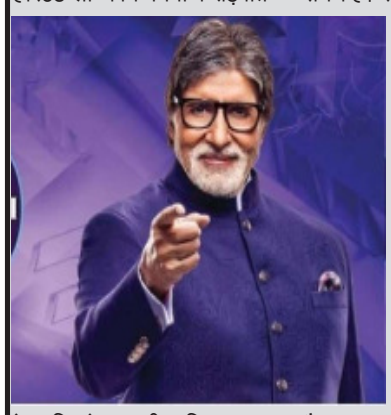

ही आप अगले राउंड के लिए भी क्वालीफाई कर लेंगे। चौथे सवाल में बिग बी ने दर्शकों से 'स्वतंत्रता आंदोलन' से जुड़ा प्रशन पूछा है। इस सवाल का सही जवाब है ऑप्शन 'ए' यानी 'चौरी चौरा कांड'। आपको बता दें कि इस सवाल का सही जवाब देने के लिए आप सोनी लिव ऐप भी डाउनलोड कर सकते हैं। अगर आप ऐप डाउनलोड नहीं करना चाहते तो फोन मेसेज पर भी जवाब दे सकते हैं। 509093 इस नंबर पर भी के साथ अपना सही जवाब और उम्र लिखकर भेज सकते है। 'कौन बनेगा करोड़पति 14' शो में शामिल होने के लिए आपको इस सवाल का जवाब आज रात 9 बजे से पहले देना होगा। के रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इसी के साथ ही बिग बी ने अपना चौथा सवाल भी पूछ लिया है। केबीसी का ये चौथा सवाल 'स्वतंत्रता आंदोलन' से जुड़ा हुआ है। वहीं आगर आप भी बिग बी के सामने हॉट सीट पर बैठकर अपनी किस्मत बदलना चाहते हैं तो रजिस्ट्रेशन में पूछे गए इस चौथे

दुनियाभर में 10 हजार से ज्यादा स्क्रींस पर रिलीज हुई केजीएफ 2 , पहले दिन 100 करोड़ की कमाई का अनुमान

नई दिल्ली। आखिरकार इंतजार खत्म हुआ और मौजूदा दौर में कनन्ड़ सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्म केजीएफ चैप्टर 2 गुरुवार को सिनेमाघरों में पहुंच गयी है। फिल्म की स्क्रींस को देखते हुए बॉक्स ऑफिस पर तूफानी ओपनिंग की उम्मीद लगायी जा रही है। कोरोना

वायरस महामारी के दो सालों के बाद इस साल एक से बढ़कर एक फिल्में बड़े पर्दे पर आ रही है। तेलुगु फिल्म आरआरआर के बाद अब कनन्ड़ सिनेमा की है, जिसकी सबसे बड़ी फिल्म केजीएफ 2 दुनियाभर में 10 हजार से अधिक सिनेमाघरों में रिलीज की जा रही है। फैंस के साथ ट्रेड को इस फिल्म से जबरदस्त उम्मीदें है और इन्हीं उम्मीदों के दम पर फिल्म को इतनी स्क्रींस पर उतारा जा रहा है। फिल्म की निर्माता कम्पनी होमबेल फिल्म्स ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी। ट्रेड रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म को हिंदी भाषा में भी बड़े पैमाने पर रिलीज किया जा रहा है। हिंदी दर्शकों के बीच केजीएफ 2 को लेकर दीवानगी के चलते फिल्म को उत्तर भारत में 4400 से अधिक स्क्रींस पर रिलीज किया जा रहा है, जबकि दक्षिण भारत में सिर्फ 2600 स्क्रींस पर रिलीज हो रही है। हालांकि, ओवरसीज में तस्वीर उल्टी है, जहां हिंदी वर्जन को 1100 स्क्रींस और दक्षिण भारतीय भाषाओं में 2900 स्क्रींस पर रिलीज की जा रही है। कुछ सिनेमाघरों में सुबह 6 बजे से केजीएफ 2 के शोज चलने की खबर भी है। केजीएफ 2 को लेकर हाइप, ट्रेंड और एडवांस बुकिंग के आंकड़ों को देखकर ट्रेड के बीच चर्चा है कि फिल्म पहले दिन 100 करोड़ का नेट कलेक्शन सभी भाषाओं में कर सकती है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।